दैनिक

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

साकार भारत

वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वर्ष : 3 अंक : 225 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, बुधवार 02 सितंबर, 2026 | www.sakarbharat.com

जस्टिस मोहपात्रा होंगे छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नए चीफ जस्टिस

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की जगह अब ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस कृष्णा राम मोहपात्रा नए चीफ जस्टिस होंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने दोनों की नियुक्ति की अनुशंसा की है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा 4 सितंबर को रिटायर हो रहे हैं। वहीं, कॉलेजियम ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल के साथ ही गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस अल्पेश यशवंत कागजी को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की है।

कॉलेजियम ने ओडिशा हाईकोर्ट के 2 जजों के तबादले की भी सिफारिश की है। जस्टिस कृष्ण राम मोहपात्रा का तबादला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट किया गया है।

पीएम मोदी बोले- बुरा-भला कहने वालों की हार हुई, RBI के अनुमानों को पीछे छोड़ भारत की 7.8% जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने कहा कि 'बुरा-भला कहने वालों की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा! उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत के आर्थिक विकास पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर निशाना साधा। दरअसल, सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने इस तिमाही वृद्धि को उत्कृष्ट प्रदर्शन बताया। उन्होंने कच्चे तेल की कीमतों के झटकों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों और वैश्विक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए इसे एक अभूतपूर्व व भागीरथ उपलब्धि करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि 'बुरा-भला कहने वालों की हार हुई और भारत एक बार फिर खिल उठा!

उनके ये बयान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उस डेटा के ठीक बाद आए, जिसमें दिखाया गया कि भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (तष्ठक्क) वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। यह भारतीय रिज़र्व बैंक के 7 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से ज़्यादा थी।

हालांकि, पहली तिमाही की यह वृद्धि पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की तुलना में धीमी थी। फिर भी, यह 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में दर्ज 6.9 प्रतिशत की वृद्धि से ज़्यादा थी। ताज़ा आँकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। ईरान में संघर्ष और ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर उसके असर के कारण बढ़ी हुई जियोपॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद भारत की विकास दर मज़बूत बनी हुई है।

उम्मीद से ज़्यादा तेज़ी से हुए इस विस्तार से पता चलता है कि एनर्जी की ज़्यादा कीमतों, महंगाई के दबाव और ग्लोबल स्तर पर कम मांग की चिंताओं के बावजूद घरेलू आर्थिक गतिविधियाँ मज़बूत बनी हुई हैं। ऋक्च् ने अनुमान लगाया है कि पूरे 2026-27 फाइनेंशियल ईयर के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

शहीद वीर नारायण सिंह का जीवन सेवा, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम की मिसाल : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने बेमेतरा में शहीद वीर नारायण सिंह की भव्य प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। वे प्रतिमा अनावरण के बाद कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय आदिवासी महासम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में गोंडवाना भवन के जीर्णोद्धार के लिए 10 लाख रुपए तथा बेमेतरा में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 6 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। विधायक श्री दीपेश साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आदिवासी महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ की माटी के ऐसे महान सपूत थे, जिन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ वीरतापूर्वक संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन संघर्ष, सेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना से भरा रहा। उनके मन में समाज के प्रति सेवा का भाव और मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम था। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में गरीब और शोषित लोगों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। अंग्रेजों के अत्याचार के सामने वे कभी नहीं झुके और देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती अनेक वीर योद्धाओं और जननायकों की गौरवशाली भूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह और गुंडाधुर जैसे महान योद्धाओं ने अपने साहस से समाज व मातृभूमि के प्रति समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत किया। इन वीर सपूतों का त्याग और बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों को सदैव याद रहेगा। उन्होंने कहा कि बेमेतरा में स्थापित शहीद वीर नारायण सिंह की यह प्रतिमा उनके त्याग और बलिदान की स्मृति को चिरस्थायी बनाएगी। यह प्रतिमा युवाओं को राष्ट्रसेवा और समाजसेवा के लिए आगे बढ़ने का संदेश देगी। उन्होंने कहा कि देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महापुरुषों का सम्मान हमारी जिम्मेदारी है।

केन्द्रीय गोंड़ महासभा धमधागढ़ के अध्यक्ष श्री कमलेश सोरी, सर्व आदिवासी समाज जिला अध्यक्ष श्री मुरीत मंडावी, गोंड समाज जिला अध्यक्ष श्री दरबार सिंह नेताम, बेमेतरा नगर पालिका के अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, उपाध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, पूर्व विधायक श्री अवधेश चंदेल और श्री अजय साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गोड़ समाज के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक भी आदिवासी महासम्मेलन में मौजूद थे।

खनिज उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा छत्तीसगढ़, अन्वेषण से एडवांस मैन्युफैक्चरिंग तक विकसित होगी पूरी वैल्यू चेन : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने ई-रेत संगवारी और टिन पोर्टल का किया शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध समृद्ध खनिज संपदा और क्रिटिकल मिनरल्स की व्यापक संभावनाएं प्रदेश को विकास के नए क्षितिज पर ले जाने की क्षमता रखती हैं। हमारा लक्ष्य केवल धरती से खनिज निकालना नहीं, बल्कि अन्वेषण से उत्खनन, प्रसंस्करण से मूल्य संवर्धन और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग से रिसाइक्लिंग तक पूरी मिनरल वैल्यू चेन छत्तीसगढ़ में विकसित करना है। इससे प्रदेश में निवेश बढ़ेगा, नए उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा आयोजित क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की आठवीं किश्त के रोड शो को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स आने वाले समय में देश की आर्थिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सामरिक सुरक्षा के प्रमुख आधार होंगे। आज के तेजी से बदलते वैश्विक और तकनीकी परिदृश्य में इन खनिजों का महत्व बहुत आगे बढ़ चुका है। रक्षा उद्योग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग तक आधुनिक अर्थव्यवस्था के लगभग हर उभरते क्षेत्र के लिए इन खनिजों की विश्वसनीय उपलब्धता आवश्यक है। मुख्यमंत्री साय ने ई-रेत संगवारी पोर्टल और टिन पोर्टल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी) द्वारा इंडियन ओवरसीज बैंक तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के साथ महत्वपूर्ण एमओयू भी किए गए।

विकसित भारत के लिए क्रिटिकल मिनरल्स में आत्मनिर्भरता आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से दुनिया की प्रमुख आर्थिक और तकनीकी शक्तियों में अपनी जगह बना रहा है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन के माध्यम से देश में क्रिटिकल मिनरल्स के अन्वेषण, प्रसंस्करण और इनसे जुड़े उन्नत उद्योगों के विकास को नई गति मिली है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया के सभी प्रमुख देश अपने रणनीतिक संसाधनों और उनकी सप्लाई चेन को सुरक्षित करने में जुटे हैं। ऐसे समय में भारत के लिए क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की उपलब्धता में आत्मनिर्भर होना आर्थिक आवश्यकता के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उद्योग तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय रक्षा क्षमताओं और स्वदेशी तकनीक की प्रभावशीलता को दुनिया ने देखा। आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण में अनेक स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए एक मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग के लिए इनकी सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति जरूरी है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार एआई, सेमीकंडक्टर, बैटरी, क्लीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिजिटल प्रौद्योगिकी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग के लिए लिथियम, ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, वैनेडियम, निकेल और क्रोमियम जैसे खनिज अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। भविष्य की अर्थव्यवस्था में इनकी भूमिका लगातार बढ़ने वाली है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा को बड़ी सौगात, बुंदिया और बड़सरा में खुलेंगे नए धान उपार्जन केंद्र

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है।

क्षेत्र के किसानों द्वारा लंबे समय से नए धान उपार्जन केंद्र खोले जाने की मांग की जा रही थी। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को अपनी समस्या से अवगत कराया था। किसानों ने बताया था कि वर्तमान में दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक धान ले जाने में उन्हें अतिरिक्त समय और परिवहन व्यय वहन करना पड़ता है। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास

बघेल को पत्र लिखकर बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया था। मंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए दोनों केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

ग्राम बुंदिया में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बतरा के अंतर्गत तथा ग्राम बड़सरा में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शिवप्रसादनगर के अंतर्गत नवीन धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

नए धान उपार्जन केंद्रों के शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

आवास निर्माण में लापरवाही पर सख्ती, राशि लेकर काम अधूरा छोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

राजनांदगांव । वार्ड विजिट की कडी में निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डो का प्रतिदिन दौराकर मूलभूत सुविधा बिजली,पानी, सफाई के अलावा निर्माण कार्य निरीक्षण कर रहे है। साथ ही साथ निकाय द्वारा शासन की संचालित योजनाओ की प्रगति का भी उनके द्वारा संबंधित अधिकारियो के साथ जायजा लिया जा रहा है। इसी कडी में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक बीएलसी अंतर्गत निर्माणाधीन आवासो का भी निरीक्षण किया। उनके इस लगातार भ्रमण से बीएलसी अंतर्गत निर्माणाधीन आवासो में प्रथम चरण में 157 आवास का निर्माण कार्य अधुरा था, अधुरे निर्माण कार्य वाले हितग्राहियो से निर्माण के संबंध में वार्डवार व्यक्तिगत सम्पर्क कर उन आवासो को पूर्ण कराने के लिए चर्चा समझाईस दी गयी। चर्चा के परिणाम स्वरूप आज की स्थिति में 132 आवास शेष बचे है और मात्र 40 दिनों में 25 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। ये ऐसे आवास है जिनकी स्वीकृति 2022 में शासन से प्राप्त हुई थी, स्वीकृति उपरांत पिछले 2-4 वर्षो में जो हितग्राही आपने आवास का निर्माण कार्य बंद करके रखे थे उनके निर्माण को पूर्ण कराने का पूर्ण पयास इस भ्रमण के दौरान किया जा रहा है।

योजना के द्वितीय चरण में बीएलसी (हितग्राही द्वारा स्वयं से आवास निर्माण) घटक के अंतर्गत 1115 आवासो की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई है, इस स्वीकृति के विरूद्ध भ्रंमण से पूर्व मात्र 63 आवास पूर्ण हुऐ थे, सुबह लगातार अधिकारियो द्वारा हितग्राहियो से सम्पर्क करने पर आज 200 आवास पूर्ण कर लिये गये है शेष 549 निर्माणाधीन आवास जोकि आगामी माह में पूर्ण करने की तैयारी है।

महापौर श्री मधुसूदन यादव के निर्देशानुसार शासन की महात्वकाक्षी एवं लोक कल्याणकारी योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु समय समय पर विभागीय अधिकारियो की प्रगति के संबंध में बैठक आयोजित कर योजना के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु समीक्षा की जाती है। इसी तारत्मय में महापौर द्वारा स्पष्ट निर्देश है कि योजना के द्वितीय चरण में 500 से अधिक घर निर्माणाधीन है। इन सभी आवासो को जल्द पूर्ण करवाए, ताकि सभी हितग्राही अपने स्वयं के नवनिर्मित आवास में दिपावली का त्योहार मना सके।

आवासो की प्रगति के लिए आयुक्त के सुबह वार्डवार दौरे में कुछ ऐसे भी आवास (प्रथम चरण के) शहर के विभिन्न वार्डो में नजर आए जिनके हितग्राहियो द्वारा आवास निर्माण की पहली एवं द्वितीय किस्त लेकर अपने आवास निर्माण कार्य को अगले स्तर तक लेकर न जाते हुए उस निर्माण कार्य को पिछले कई वर्षो से रोककर, शासन द्वारा आवास निर्माण करने हेतु दिये गये राशि को अन्य किसी उपयोग में लेकर आवास निर्माण नही किया गया और न ही उस राशि को लगातार वास्तुवित एवं इंजीनियर द्वारा सम्पर्क करने पर भी निकाय को वो राशि वापस की गयी।

राहुद में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने किया सत्संग का रसपान

राजनांदगांव । योग वेदान्त सेवा समिति एवं राजनांदगाँव आश्रम के तत्वावधान में पूज्य संत आशारामजी बापू के साधक शिष्य रामा भाई का एक दिवसीय गीता-भागवत सत्संग ग्राम राहुद, क्षेत्र खैरागढ़ में श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सत्संग का रसपान किया।

सत्संग में जीवन में सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रामा भाई ने कहा कि आज अनेक लोग चिंता, तनाव, हताशा और निराशा से जूझ रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति को सत्संग का आश्रय लेना चाहिए। सत्संग के श्रवण से मन को सकारात्मक दिशा मिलती है और जीवन की अनेक चिंताओं व निराशाओं से उबरने की प्रेरणा मिलती है। सत्संग व्यक्ति में आत्मविश्वास, सद्विचार और जीवन के प्रति नई आशा का संचार करता है।

सत्संग कार्यक्रम के दौरान मौसम भी श्रद्धालुओं की आस्था के आगे फीका पड़ गया। भारी बारिश के बावजूद साधको की संख्या लगातार बढ़ती रही। देखते ही देखते विशाल पंडाल भी श्रद्धालुओं की भीड़ के सामने छोटा पड़ गया। लोगों में सत्संग के प्रति उत्साह और रामा भाई के प्रति श्रद्धा का ऐसा भाव देखने को मिला कि कार्यक्रम स्थल भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा।

'हरि ' की गूंज से भक्तिमय हुआ पंडाल

संस्था के प्रमुख रोहित चंद्राकर एवं नोहर जंघेल ने बताया कि कार्यक्रम प्रारंभ होने के काफी समय पूर्व ही श्रद्धालुओं ने पंडाल में पहुंचकर अपने स्थान ग्रहण करना शुरू कर दिया था। रामा भाई के आगमन पर श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

आपसी विवाद में युवक के पेट पर चाकू मारकर हत्या

बिलासपुर । जिले के सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के सिलपहरी में आपसी विवाद के बाद एक युवक की चाकू मारकर हत्या का मामला सामने आया है। शराब दुकान के पास हुए विवाद में आरोप है कि दो युवकों ने राकेश प्रजापति पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद फरार आरोपियों की तलाश शुरू की गई और सीसीटीवी फुटेज, साक्ष्य और मुखबिर से मिली सुचना के आधार पर राजा मनहर को गिरफ्तार किया गया है। उसके साथ एक अपचारी बालक को भी पकड़ा गया है। दोनों के कब्जे से चाकू बरामद कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।मिली जानकारी के मुताबिक राकेश प्रजापति अपने दोस्त जितेंद्र साहू के साथ हरदीकला स्थित शराब दुकान गया था। वहां शराब लेने के दौरान राकेश का दो युवकों के साथ धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद शराब दुकान के बाहर विवाद बढ़ गया और आरोप है कि दोनों युवकों ने राकेश के पेट के पास चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण राकेश की मौके पर ही मौत हो गई।

खपराभाट पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख को सौंपा मांगपत्र

बालोद । खपराभाट पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख से भेंट कर क्षेत्र की विभिन्न मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान देवरीबंगला से खपराभाट प्रधानमंत्री ग्राम सड़क मार्ग के निर्माण एवं मरम्मत सहित प्राथमिक शाला भवन की मांग को लेकर मांगपत्र सौंपा गया।

जनप्रतिनिधियों ने बताया कि देवरीबंगला से खपराभाट पहुंच मार्ग वर्षों पुराना होने के कारण अत्यंत जर्जर हो चुका है। सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि आवागमन करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण लंबे समय से इस मार्ग के निर्माण की मांग कर रहे हैं।

भाजपा मंडल देवरी के महामंत्री राधेश्याम देवांगन के साथ सरपंच रेमन ठाकुर, बूथ अध्यक्ष हुमन साहू, बीएल-2 गोपाल प्रसाद साहू, ग्राम प्रमुख भीषम भूआर्य, छन्नूलाल भूआर्य, पूर्व उपसरपंच देवधर ठाकुर एवं गहिरानवागांव शक्ति केंद्र के सहसंयोजक खुबलाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिलाध्यक्ष से मुलाकात कर सड़क मार्ग के साथ गांव की अन्य मूलभूत समस्याओं को भी रखा। वहीं, मार्रीबंगला सरपंच प्रतिनिधि खुबलाल साहू ने प्राथमिक शाला भवन निर्माण की मांग जिलाध्यक्ष के समक्ष रखी। जनप्रतिनिधियों ने दोनों पंचायतों खपराभाट एवं मार्रीबंगला में पीडीएस दुकान की स्वीकृति मिलने पर भाजपा जिलाध्यक्ष का आभार भी व्यक्त किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने देवरीबंगला से खपराभाट पहुंच मार्ग की समस्या को गंभीरता से लेते हुए इसे अतिशीघ्र पूरा कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है और समयानुसार सभी आवश्यक विकास कार्य पूर्ण कराए जाएंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी एम. जी. सतीश कुमार ने शिक्षा एवं समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए किया पुरस्कृत

बालोद । राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित आचार्य शिरोमणि सम्मान समारोह 2026 में व्याख्याता विवेक धुर्वे को शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी एम. जी. सतीश कुमार ने धुर्वे को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता हैं और समाजहित में किया गया समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनता है। उन्होंने विवेक धुर्वे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सतत श्रेष्ठ कार्य करने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। संस्था की अध्यक्ष एवं संस्थापिका स्मिता सिंह ने बताया कि शिक्षा, जनसेवा एवं समाज निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने वाले प्रबुद्धजनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस भव्य समारोह का आयोजन किया गया था। सम्मान प्राप्त होने पर श्री विवेक धुर्वे ने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज और शिक्षा जगत के प्रति अपने दायित्वों को और अधिक निष्ठा एवं ऊर्जा के साथ निभाने का संकल्प प्रदान करता है।

कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा आयोग सचिव डॉ. एन. के. अग्रवाल, अमर चैंबर ऑफ कॉमर्स के सतीश थौरानी, वरिष्ठ समाजसेवी अमर गुरनानी, कवयित्री शुभा निशा शुक्ला, पारस इंस्टीट्यूट की फाउंडर सीईओ कविता कुंभज्ज, सचिव संजना सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व शिक्षाविद उपस्थित रहे।

1.55 करोड़ की लागत से बनी 14 किमी सड़क बदहाल, मरम्मत के अभाव में दुर्घटना का बढ़ा खतरा

अकलतरा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करीब छह वर्ष पहले 1 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से निर्मित कल्याणपुर-फरहदा मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। करीब 14 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर जगह-जगह डामर उखड़ने के साथ बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि अब यह तय करना मुश्किल हो गया है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क।कल्याणपुर से फरहदा को जोड़ने वाला यह मार्ग आसपास के कई गांवों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है। दर्रीटांड़, रसेड़ा, अर्जुनी, कोटमीसोनार, अकलतरी, पिपरसत्ती, मधुवा और फरहदा सहित आसपास के ग्रामीण इसी

मार्ग से आवागमन करते हैं। वहीं अर्जुनी एवं कोटमीसोनार स्थित क्रोकोडाइल पार्क के पहुंच मार्ग के रूप में भी इसका उपयोग होता है, जिसके कारण दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है।

सड़क पर बने गहरे गड्ढों से सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। जनपद सदस्य ईश्वर साहू ने बताया कि रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहन अनियंत्रित होने का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण के बाद समय-समय पर आवश्यक रखरखाव और मरम्मत नहीं होने से छोटे गड्ढे धीरे-धीरे बड़े हो गए। अब कई हिस्सों में सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। खराब सड़क के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी के साथ वाहनों की मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च भी उठाना पड़ रहा है। विद्यार्थियों, बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को भी विशेष दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ग्राम अकलतरी निवासी छोटू कश्यप ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया, जिसके चलते सड़क अपेक्षित अवधि तक टिक नहीं सकी। ग्राम अकलतरी के मुख्य मार्ग में सड़क बड़े-बड़े गड्ढो में तब्दील होने के साथ मार्ग से आवगमन करने वाले लोग प्रतिदिन गड्ढों में गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत और गड्ढों की भराई कर दी जाती तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती। उन्होंने सड़क की तकनीकी जांच, निर्माण गुणवत्ता की जांच तथा वर्तमान क्षति का आकलन कराने की मांग की है।

चोरी के जेवर खरीदने वाला अकलतरा का सोनार भी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा । थाना बलौदा क्षेत्र के सोनार मोहल्ले में घर में घुसकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, प्रकरण में तीन विधि से संघर्षरत बालकों की संलिप्तता भी सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 15.87 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात तथा 7 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, वार्ड क्रमांक 07 बलौदा निवासी नवीन सोनी अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। सुबह उठने पर कमरे की कुंडी बाहर से बंद मिली।

पवन निषाद बने पूर्व सैनिक सेवा परिषद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, भुवनेश्वरी साव को मिली प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी

राजनांदगांव। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का वर्ष 2026 का वार्षिक सामान्य प्रतिनिधि सम्मेलन 30 अगस्त को नया रायपुर स्थित सत्य साईं अस्पताल के ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के 16 जिलों से आए भूतपूर्व सैनिक, जिला अध्यक्ष एवं संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए।

सम्मेलन के दौरान संगठन के प्रदेश नेतृत्व में महत्वपूर्ण नियुक्तियां की गईं। हवलदार पवन निषाद को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया, वहीं सैन्य मातृशक्ति के प्रदेश महासचिव पद की जिम्मेदारी भुवनेश्वरी साव को सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपस्थित पूर्व सैनिकों एवं संगठन के सदस्यों ने स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय सचिव सार्जेंट रमेश पांडे ने अपने उद्बोधन में पूर्व सैनिकों की संगठनात्मक भूमिका एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजनांदगांव जिला इकाई द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। विशेष रूप से राजनांदगांव जिला इकाई द्वारा चलाए जा रहे नि:शुल्क तैराकी प्रशिक्षण तथा डोंगरगढ़ में योद्धा फिजिकल एकेडमी के माध्यम से युवाओं को दिए जा रहे नि:शुल्क प्रशिक्षण की सराहना की गई। इन सामाजिक एवं युवा हितैषी गतिविधियों के लिए राजनांदगांव जिला इकाई को ससम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में राजनांदगांव जिला अध्यक्ष अशोक झा, अनेरी कैप्टन विनोद रजक, अनेरी सूबेदार बसंत रावते, हवलदार गुमानदास साहू, हवलदार उमेश गंगबेर, नायक पीयूष साव, सूबेदार मेजर जनक लाल विश्वकर्मा सहित सैन्य मातृशक्ति से ठगीया बाई साहू, संगीता गंगबेर एवं भुवनेश्वरी साव उपस्थित रहीं।

बोले- निष्पक्ष जांच और सभी तथ्य स्पष्ट होने तक नहीं उठेंगे, पुलिस पर राजनीतिक दबाव का लगाया आरोप

भाटापारा। लंबित मामलों में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए भाटापारा विधायक इंद्र साव ने सोमवार को पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विधायक दोपहर करीब 12 बजे ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों के साथ भाटापारा ग्रामीण थाना परिसर में धरने पर बैठ गए। विधायक ने स्पष्ट किया कि जब तक चारों मामलों में निष्पक्ष जांच नहीं होती और सभी तथ्य सामने नहीं आते, तब तक वे थाने से नहीं उठेंगे।

विधायक के साथ पहुंचे ग्रामीणों और पीड़ित परिवारों ने भी पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लंबित मामलों में जल्द कार्रवाई की मांग की। विधायक का आरोप है कि कई मामलों में चार से छह महीने या उससे अधिक समय बीत जाने के बावजूद जांच पूरी नहीं हुई है और पीड़ित परिवारों को बार-बार आवेदन देने के लिए कहा जा रहा है।

सड़क हादसे और संदिग्ध मौत के मामले उठाए धरने के दौरान सड़क हादसे में हुई मौत और संदिग्ध परिस्थितियों में मौत सहित चार मामलों को प्रमुखता से उठाया गया। एक मामले में सड़क दुर्घटना में पति की मौत के बाद निष्पक्ष जांच और वर्तमान जांच अधिकारी को बदलने की मांग की गई है। वहीं रूपेश साहू की संदिग्ध मृत्यु के मामले में परिजनों ने मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन के अनुसार रूपेश साहू 14 मार्च 2026 से लापता था और 17 मार्च को उसका शव बरामद हुआ था।

पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप धरने के दौरान विधायक इंद्र साव ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस जांच के नाम पर समय काट रही है और कुछ मामलों में मुख्य आरोपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि परिजनों के दबाव बनाने के बाद पुलिस नए आवेदन मांगती है, जिससे जांच प्रक्रिया महीनों तक लंबित हो जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है तो चार से छह महीने बाद भी मामलों के तथ्य स्पष्ट क्यों नहीं हुए। विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस राजनीतिक दबाव में भी काम कर रही है।

नालियों की सफाई और बेहतर जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग

रायपुर। राजधानी रायपुर के सेजबहार स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-1 में बारिश के बाद जलभराव की समस्या ने रहवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। कॉलोनी के कई हिस्सों में गंदा पानी जमा होने से लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और समुचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। रहवासियों के अनुसार बारिश के बाद कॉलोनी की सड़कों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो गया है। कई स्थानों पर गंदा पानी लंबे समय तक रुका हुआ है। इससे पैदल चलने के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों की

आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नालियों में गंदगी और कचरा जमा होने के कारण पानी का बहाव बाधित हो रहा है। बारिश का पानी नालियों के जरिए बाहर निकलने के बजाय कॉलोनी के भीतर ही जमा हो रहा है। लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से कॉलोनी में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। रहवासियों ने आशंका जताई है कि जलभराव की स्थिति बनी रही तो मच्छरजनित और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। लोगों ने सफाई के साथ-साथ जमा पानी पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।कॉलोनीवासियों का आरोप है कि जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों ने हाउसिंग बोर्ड के जिम्मेदार अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कराने और नालियों की तत्काल सफाई कराने की मांग की है। रहवासियों का कहना है कि केवल जमा पानी हटाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। इसके लिए नालियों की नियमित सफाई के साथ बेहतर जल निकासी व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। कॉलोनीवासियों ने जल्द कार्रवाई नहीं होने पर समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई है।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, स्कूल वाहनों की हुई औचक जांच

खरसिया । स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर चौकी खरसिया पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए स्कूल वाहनों की औचक जांच की। एसडीओपी खरसिया सतीश भार्गव के मार्गदर्शन एवं चौकी प्रभारी निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सड़क पर स्कूल बसों और वैनों को रोककर जांच अभियान चलाया।

पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ स्कूल वाहन चालक तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है और किसी भी समय दुर्घटना की स्थिति बन सकती है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चौकी प्रभारी ने टीम के साथ यह विशेष जांच की। जांच के दौरान सभी स्कूल वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस एवं आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही ब्रीथ एनालाइजर के माध्यम से शराब सेवन की भी जांच की गई।

पुलिस ने दी सख्त हिदायत

चौकी खरसिया पुलिस के प्रशिक्षु उपनिरीक्षक प्रवीण बांधव, सिपाही साविल चंद्रा, कीर्ति सिदार एवं धनंजय कश्यप ने वाहन चालकों को स्पष्ट हिदायत दी कि बच्चों को लेकर वाहन चलाते समय गति पर विशेष नियंत्रण रखें, यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। पुलिस ने कहा कि वाहन में सवार बच्चों की सुरक्षा चालकों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। तेज गति, खतरनाक ढंग से वाहन चलाना, शराब के नशे में वाहन चलाना अथवा यातायात नियमों की अनदेखी करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के जीवन को भी खतरे में डालना है। ऐसी लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाईवे एवं प्रमुख मार्गों से मवेशियों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का प्रभावी पालन कराने के संबंध में विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर महोबे ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधार कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती है, वहां आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, कैट आई, सड़क प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और वाद्ययंत्रों से सजा शहर; आदिवासी कोड और शिक्षा पर जोर

बलौदाबाजार । सर्व आदिवासी समाज जिला इकाई बलौदाबाजार एवं समस्त सगा समाज के तत्वावधान में जिला स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस का छठवां वर्ष रविवार को भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। विशाल शोभायात्रा के माध्यम से आदिवासी समाज ने अपनी एकता, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक शक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह गोंडवाना भवन में पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद जिला ऑडिटोरियम से विशाल शोभायात्रा निकाली गई। रैली बस स्टैंड, गार्डन चौक और शहीद वीर नारायण सिंह चौक होते हुए शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा स्थल पहुंची, जहां माल्यार्पण किया गया। इसके बाद रैली अंबेडकर चौक पहुंची, जहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर समाजजनों ने माल्यार्पण किया। शोभायात्रा में महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। गुदुम बाजा, कर्मा और सुवा नृत्य सहित पारंपरिक गीत-संगीत ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। युवतियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शहर में जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया।

अलग आदिवासी कोड की मांग

समारोह के मुख्य अतिथि सर्व आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रभाग के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष सिंह परते ने समाज से एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने आदिवासी समाज के लिए अलग धर्म कोड की मांग उठाते हुए कहा कि समाज को अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भूपेंद्र ध्रुवंशी ने की। वक्ताओं ने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ शिक्षा एवं जागरूकता को समाज की प्रगति का आधार बताया। युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने गोंड खपरी चक स्थित गोंडवाना भवन में महिला शौचालय के लिए एक लाख रुपए देने तथा शेड निर्माण और मैदान में फ्लोर टाइल्स लगाने की घोषणा की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम, प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश ध्रुव, भानु ध्रुव सहित सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजन के दौरान रक्तदान शिविर में 37 लोगों ने रक्तदान किया। पौधा वितरण और दाई सम्मान कार्यक्रम भी हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न जनजातीय समाजों, सामाजिक संगठनों, अधिकारी-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

देवरी-मार्रीबंगला क्षेत्र की जनता के साथ भाजपा सरकार का छलावा अब नहीं चलेगा : कांग्रेस

बालोद । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवरी द्वारा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं लंबित विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति की मांग को लेकर भारी बारिश के बावजूद बस स्टैंड देवरी में विधानसभा स्तरीय धरना प्रदर्शन किया गया। इसके बाद बस स्टैंड मार्रीबंगला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन व चक्काजाम किया गया तथा मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी डौंडीलोहारा शिवनाथ बघेल तहसीलदार प्रीतम साहू को सौंपा गया।

,,ब्लॉक अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि देवरी एवं मार्रीबंगला क्षेत्र की जनता वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन संवेदनहीन बना हुआ है। क्षेत्र की सड़कों की हालत बद से बदतर है, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है।

,,विधायक कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि क्षेत्र की दर्जनों सड़कों का निर्माण व मरम्मत वर्षों से लंबित है। इनमें प्रमुख रूप से पसौद-झिटिया-केंवटनवागांव, पीपरखार-कन्याडबरी-खामतराई, रींवागहन-गणेशखपरी-रतनभाट, करमरी-मनकी-खामतराई, देवरी-खेरथा, देवरी लोहारा मुख्य मार्ग से परसुली, गिधवा से कोलियारा, पिनकापार से महाराजपुर, देवरी से खपराभाट, टटेंगा से कसही सहित 30 से अधिक सड़क व पुल-पुलिया निर्माण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रयास आवासीय विद्यालय पिनकापार का भवन आज भी दुर्ग में संचालित हो रहा है, स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की भारी कमी है और किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल पंजीयन, खाद-बीज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। यह आंदोलन जनता के अधिकारों के लिए है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने कहा कि भाजपा सरकार बिजली दरों में वृद्धि कर स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाल रही है। कांग्रेस सरकार की 400 यूनिट तक आधा बिल योजना बंद कर गरीब व मध्यमवर्ग पर बोझ डाला गया है।

आदिवासी ध्रुव गोंड समाज के आयोजन में शामिल हुए नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा

भाटापारा । विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम खोखली में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज, खोखली-टिकुलिया चक द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी समाज भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न और गौरवपूर्ण हिस्सा है। उनकी जीवनशैली, परंपराएं और प्रकृति के साथ उनका सामंजस्यपूर्ण संबंध हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करने का दिन है। आदिवासी समाज ने अपनी मेहनत, साहस, त्याग और संघर्ष से देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी विशेषताओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक एकजुटता और अपनी परंपराओं के प्रति गहरी निष्ठा शामिल है। आज आवश्यकता है कि आधुनिक विकास के साथ-साथ उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का भी संरक्षण किया जाए। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही सुशासन और समावेशी विकास की वास्तविक भावना है।

प्रेस क्लब ने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में याचिका दायर कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की

बलौदाबाजार (महाकोशल)। बलौदाबाजार प्रेस क्लब के स्थापना दिवस एवं पत्रकार सम्मान समारोह को लेकर सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने का मामला अब न्यायालय पहुंच गया है। पुलिस स्तर पर शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए प्रेस क्लब ने बैठक में प्रस्ताव पारित कर न्यायालयीन कार्रवाई का निर्णय लिया है। इसके बाद वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव के माध्यम से मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, बलौदाबाजार के न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर ऋषि शुक्ला पिता सिद्धनाथ शुक्ला के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

फेसबुक पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

प्रेस क्लब की ओर से प्रस्तुत याचिका में बताया गया है कि 24 जून 2026 को क्लब के पंजीयन का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर स्थापना दिवस एवं पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। आरोप है कि इसी दिन ऋषि शुक्ला के फेसबुक अकाउंट से कार्यक्रम और संस्था को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी पोस्ट की गई। शिकायत में उक्त पोस्ट के संबंध में आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। याचिका के अनुसार, अगले दिन 25 जून को भी कथित तौर पर विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों में संस्था के स्थापना दिवस को लेकर इसी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित की गई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कार्यक्रम में उपस्थित कुछ सम्मानित नागरिकों के फोटो के साथ भी आपत्तिजनक तरीके से छेड़छाड़ कर उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया।

बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग

प्रेस क्लब ने न्यायालय में प्रस्तुत याचिका में सोशल मीडिया पर कथित रूप से प्रसारित सामग्री को अपमानजनक एवं मानहानिकारक बताते हुए संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की है। याचिका में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356, 194, 196 सहित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत अपराध पंजीबद्ध किए जाने की मांग की गई है। मामले में सोशल मीडिया पोस्ट और उसके प्रसारण से जुड़े साक्ष्य भी प्रस्तुत किए जाने की बात कही गई है।

पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल

प्रेस क्लब ने शिकायत में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। क्लब का आरोप है कि मामले को लेकर शिकायतें किए जाने के बावजूद अब तक ऋषि शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध पूर्व में भी अपराध दर्ज होने तथा कुछ शिकायतों की जांच लंबित होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई।

इसके अलावा, शिकायतकर्ताओं ने कथित तौर पर पंजीकृत नहीं होने वाले एक वेब पोर्टल के नाम से उन्हें पुलिस के संवाद समूह में जोड़े रखने को लेकर भी सवाल उठाया है और पुलिस संरक्षण की आशंका जताई है। हालांकि इन आरोपों पर पुलिस का आधिकारिक पक्ष अभी सामने नहीं आया है।

श्री अखण्ड रामनाम सप्ताह समारोह शोभायात्रा के संबंध में शहर थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई

भाटापारा । पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में आगामी त्योहारों एवं आयोजनों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने हेतु पुलिस द्वारा लगातार शांति समिति की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 30 अगस्त को शहर थाना परिसर में राम सप्ताह समिति एवं आगामी 05. सितम्बर को निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के संबंध में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खोमन सिन्हा एवं एसडीओपी तारेश साहू, तहसीलदार अभिषेक अग्रवाल, नगर पालिका परिषद भाटापारा के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित पाटले एवं थाना स्टाफ सहित भाटापारा नगर के राम सप्ताह समिति के पदाधिकारी, विभिन्न वार्डों के प्रतिष्ठित नागरिक, वरिष्ठ जन तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक के मुख्य बिंदु पर निर्देश दिये गये जिसमे

शोभायात्रा व रैली का मार्ग एवं समय 05 सितम्बर को आयोजित होने वाली शोभायात्रा, झांकी व रैली के निर्धारित रूट तथा समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था शोभायात्रा के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती को लेकर चर्चा की गई। डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र- शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन एवं मानक आवाज सीमा के भीतर ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने की हिदायत दी गई।

असामाजिक तत्वों पर नजर- आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या शांति भंग करने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। ?बैठक के दौरान उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे, जिन पर पुलिस द्वारा उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस की अपील:- पुलिस ने सभी नागरिकों एवं आयोजकों से अपील की है कि आगामी राम सप्ताह एवं शोभायात्रा के आयोजन को आपसी भाईचारे, शांति व सौहार्द के साथ भव्य रूप से संपन्न कराएं तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

किसी की शेमिंग किए बिना आइडेंटिटी से प्रभावित करें तब चमत्कार होता है

2018 के वो टॉयलेट-क्लीनर वाले विज्ञापन याद कीजिए, जिनमें बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार हमारे टीवी स्क्रीन पर आकर बताते थे कि अपने टॉयलेट को साफ कैसे रखा जाए? एक फैन के घर जाकर और उसे अपने द्वारा प्रमोट किया जा रहा प्रोडक्ट खरीदने को राजी करने के बाद वे वादा करते हैं कि 'ये तो मान गई, अगला घर आपका।' हममें से कई लोगों ने चुपचाप यह चाहा भी होगा कि कम से कम इसी बहाने अक्षय हमारे घर भी आएं। लेकिन वे कभी नहीं आए।

खैर, मजाक अपनी जगह लेकिन भारत में टॉयलेट क्लीनिंग के विज्ञापनों का काम हमेशा से अजीब रहा है। उन्हें एक फंक्शनल प्रोडक्ट बेचना होता है, उसका नजर आने वाला सबूत दिखाना होता है और यह भी ध्यान रखना होता है कि उसे पूरा परिवार साथ देख सके। टॉयलेट क्लीनर हार्पिक बनाने वाली कंपनी 'रेकिट' दर्शकों को दूर किए बिना बाथरूम को मुख्यधारा की स्क्रीन पर लाने में सफल रही थी।

2018 में हार्पिक ने स्वच्छता संबंधी पहल के तहत अक्षय कुमार को ब्रांड एंबेसडर बनाया। कंपनी ने उन्हें अपने 'हर घर स्वच्छ' मिशन और हाइजीन संबंधी आदतों में बदलाव के संदेश के साथ जोड़ा। इसी 2018 में सर्बियाई मॉडल लाजार जानकोविच मॉडलिंग और कमर्शियल कॉन्ट्रैक्ट के लिए भारत आए।

उन्होंने छह साल इंतजार किया कि लोगों का हाइजीन बिहेवियर बदले, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 20 राज्यों की यात्रा में उन्होंने एक ऐसी समस्या देखी, जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल था- सड़कों पर फैला कचरा। 2024 में 31 की उम्र में लाजार ने '4क्लीनइंडिया' कैंपेन शुरू किया। वे अपने साथ गार्बेज बैग रखते और ऋषिकेश से लेकर तमिलनाडु और सिक्किम तक जहां भी जाते, छोटी-छोटी सफाई करते। जल्द ही उन्हें समझ आया कि किसी जगह की सफाई करके उसका वीडियो पोस्ट करना पर्याप्त नहीं।

उन्होंने अपने प्रयासों को सोशल मीडिया चैलेंज में बदला और लोगों को आस-पड़ोस में सफाई के लिए प्रोत्साहित करने लगे। अब उनके पेज से करीब 1.5 लाख लोग जुड़े हैं और अपने सफाई अभियानों की तस्वीरें साझा कर रहे हैं। बेंगलुरु में उन्होंने करीब 10 जगहों की सफाई की है, जिनमें जयनगर, जेपी नगर, चर्च स्ट्रीट और कब्बन पार्क के आसपास के इलाके शामिल हैं।

गुरुग्राम के सेक्टर 55 में लाजार को सड़कें साफ करते देखकर वहां के निवासियों ने इलाके की निगरानी के लिए वॉट्सएप ग्रुप बना लिए। वे कहते हैं कि 'उन्हें एक विदेशी को अपनी सड़कें साफ करते देखकर शर्मिंदगी महसूस हुई।' लाजार का तरीका अनोखा नहीं है। राजस्थान में एक सरकारी कर्मचारी प्रमिला ने झाड़ू उठाकर सफाई के हालात सुधारने में गांववालों की मदद की और अपने गांव में टॉयलेट तक पहुंच 25% से बढ़ाकर 100% कर दी।

राजस्थान के अलवर में ही राजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पारंपरिक जल संरक्षण ढांचों को पुनर्जीवित किया, जिससे सूखा प्रभावित इलाकों में नदी का पानी और भूजल वापस लाने में मदद मिली। महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के सतारा टुकुम के निवासी नगर निगम सफाई कर्मचारियों के बिना ही अपने गांव को साफ रखते हैं। वे अपनी गलियों की सामूहिक जिम्मेदारी लेते हैं। यह इलाका अपनी असाधारण स्वच्छता, सामुदायिक अनुशासन और फोरेस्ट कन्जर्वेशन के प्रयासों के लिए विख्यात है।

लाजार के बारे में जो बात मुझे अच्छी लगी, वह यह कि उनका मानना है कि स्वच्छता अभियानों में 'ज्ञान' की कम और भावना की जरूरत ज्यादा होती है। उनका सुझाव है कि सफाई को किसी लेक्चर के बजाय फन-एक्टिविटी बनाया जाए, शायद कुछ 'डांस' जैसा, ताकि लोग इसमें पार्टिसिपेट करना चाहें। अपनी इस सोच के साथ वे महज सड़कें साफ नहीं कर रहे हैं, वे उस पहचान को बदल रहे हैं, जिसके साथ जोड़ कर लोग सार्वजनिक स्थानों को देखते हैं। हम भारतीय हाइजीन को भलीभांति समझते हैं।

यकीनन हम अपने घरों को साफ रखते हैं। हमें बस इसी मानसिकता के साथ घर से थोड़ा बाहर कदम बढ़ाना है, ताकि हमारे शहर भी साफ रहें। हम अपने घर के बाहर सड़क के दो मीटर के हिस्से से, समीप के पार्क से या अपनी दुकान के बगल की दीवार से शुरुआत कर सकते हैं।

अगर एक सर्बियाई मॉडल गार्बेज बैग उठा कर भारतीयों को अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी को लेकर सोचने पर मजबूर कर सकता है और कहीं पर कुछ आम भारतीय अपने आस-पड़ोस में बदलाव ला सकते हैं, तो हम भी अपने आसपास ऐसा कर सकते हैं। फंडा यह है कि हमारे आसपास की जगह तब बेहतर नहीं होती जब कोई 'दूसरा' उसे बदलने का फैसला करता है। वह तब बेहतर होती है, जब हम तय करते हैं कि यह जगह हमारी है।

दुनिया में कम जॉब्स के बावजूद ग्रोथ के विरोधाभास को समझें

आज दुनिया में एक खास तरह का आर्थिक-विभाजन दिखलाई दे रहा है। लोग दोहरे आर्थिक परिदृश्य का सामना कर रहे हैं। भारत की ही बात करें तो यहां युवाओं में बेरोजगारी की दर ऊंची है और कॉलेजों-विश्वविद्यालयों से निकलने वाले युवाओं के लिए नौकरियों की किल्लत है। युवाओं में बेरोजगारी दर 2025 में 2.1 प्रतिशत अंक बढ़कर 17.7 प्रतिशत हो गई।

नतीजतन, इनमें से कई युवा और उनके परिवार वास्तविक आय में गिरावट का सामना कर रहे होंगे। लेकिन दूसरी ओर अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ती जा रही है और 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। लेकिन यहां भी आंकड़े वास्तविक तस्वीर को छिपाते हैं। क्योंकि आबादी के एक छोटे हिस्से की आय में तो तेज वृद्धि हुई है, लेकिन बड़ी संख्या में लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

इतने गहरे आर्थिक विभाजन को बने रहने देना नीतिगत-विफलता है। अपेक्षाकृत कम मजदूरी वाले मध्यम आय के देश के रूप में भारत सही नीतियों के सहारे अपने युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा कर सकता है। यह बात तब भी सही है, जब श्रम बाजार के मौजूदा रुझान एआई और अन्य डिजिटल तकनीकों से प्रभावित हो रहे हों, जो मानव-श्रम की मांग घटाती हैं और मुनाफे को कुछ हाथों में केंद्रित करती हैं।

जैसे-जैसे अर्थव्यवस्थाएं अधिक खंडित होती जा रही हैं, नीति-निर्माताओं, विश्लेषकों और अन्य पर्यवेक्षकों को समग्र आंकड़ों के नीचे छिपी वास्तविकता पर अधिक ध्यान देना होगा। हम शायद उस दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसे 'गेटेड रिसेशन' कहा जा सकता है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें कुछ समूह या क्षेत्र मंदी जैसी परिस्थितियों से गुजरते हैं, जबकि अमीर लगातार और अमीर होते जाते हैं। इससे ओवरऑल आर्थिक इंडिकेटर अच्छे दिखाई देते रहते हैं।

मिसाल के तौर पर, भारत में निम्न-मध्यम वर्ग के परिवार- खासकर वे, जिनके युवा बच्चे अभी-अभी कॉलेज से निकले हैं- व्यावहारिक रूप से ऐसे ही 'गेटेड रिसेशन' में फंसे हो सकते हैं। अमेरिका में भी कम आय वाले लोगों की सबसे अधिक आबादी वाले मिसिसिपी, न्यू मैक्सिको, लुइजियाना और ओक्लाहोमा जैसे राज्य श्रम बाजार की स्थिति बिगड़ने के साथ स्थानीय स्तर पर ऐसे 'गेटेड रिसेशन' का अनुभव करते हैं।

मुद्दा किसी पार्टी या सरकार पर दोष मढ़ने का नहीं है, क्योंकि इन असमानताओं के कारण अकसर बहुत गहरे और जटिल होते हैं। फिर भी, राजनेताओं को इस समस्या पर उनकी प्रतिक्रिया के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्हें अच्छे आंकड़ों का हवाला देकर इस समस्या को खारिज करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। देर-सबेर इन विभाजनों को दूर करने के लिए बहुआयामी नीतिगत हस्तक्षेपों की ही जरूरत होगी। जैसे-जैसे एआई आगे बढ़ेगा, संपत्ति की असमानता के भी और तेजी से बढ़ने की आशंका है।

एआई को अपनाने से संकोच करते हुए नौकरियां बचाने की कोशिशें फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी। इससे महंगे आर्थिक संकट पैदा होंगे और उत्पादकता वृद्धि पर भी बोझ पड़ेगा। 'गेटेड समृद्धि' और 'गेटेड गरीबी' के बीच की दीवारों को तोड़ने तथा तकनीकी प्रगति से होने वाले लाभ को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचाने का अधिक प्रभावी तरीका यह हो सकता है कि सुपर-रिच की संपत्ति, विरासत और आय पर ऊंचे मार्जिनल टैक्स लगाया जाएं। अमेरिका से आ रही खबरों पर ध्यान दें। ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स के ताजा आंकड़े बताते हैं कि जुलाई में अमेरिकी अर्थव्यवस्था से 23,000 नौकरियां चली गईं, लेकिन इसके बावजूद बेरोजगारी दर घटी है। इस विरोधाभास का कारण यह है कि अमेरिका में किसी व्यक्ति को बेरोजगार माने जाने के लिए उसका सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश करना जरूरी है। लेकिन आज श्रम बाजार की स्थिति इतनी निराशाजनक हो चुकी है कि लोग नौकरी तलाशना ही छोड़ रहे हैं।

कुछ अनुमानों के अनुसार नवंबर 2025 से अब तक 20 लाख से अधिक लोग अमेरिकी वर्कफोर्स से बाहर हो चुके हैं। यह चौंकाने वाला आर्थिक विभाजन है। एक ओर कामगार नुकसान उठा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिनकी आय शेयर बाजार और कॉर्पोरेट मुनाफे पर निर्भर है, उनके लिए तेजी का दौर चल रहा है। नौकरियां जाने और श्रम बाजार की स्थिति बिगड़ने की खबरों के साथ ही अमेरिकी शेयर बाजारों में उलटे तेजी आई है। हम उस दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसे 'गेटेड रिसेशन' कहा जाता है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें कुछ समूह या क्षेत्र मंदी से गुजरते हैं, जबकि अमीर लगातार और अमीर होते जाते हैं। इससे ओवरऑल आर्थिक इंडिकेटर अच्छे दिखाई देते हैं। **(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)**

पेशेवरों व टेक्नोक्रेट्स को बड़ी जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए

इसरो और डीआरडीओ में हाल में हुए बदलाव सरकार के दृष्टिकोण में परिवर्तन के संकेत देते हैं। इसरो निजी क्षेत्र की कंपनियों- जिनमें स्टार्टअप भी शामिल हैं- के साथ अपनी तकनीक और जिम्मेदारियां साझा कर रहा है। वो अब चंद्रमा पर भारतीय एस्ट्रोनॉट उतारने, मंगल ग्रह का अन्वेषण करने और 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने जैसे अभियानों पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारत में स्पेस सेक्टर से जुड़े 440 से अधिक स्टार्टअप्स हैं।

वहीं, भारत का प्रमुख रक्षा अनुसंधान संगठन डीआरडीओ भी इसरो के मॉडल पर आगे बढ़ रहा है। वह मिसाइल, ड्रोन और वायु रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए एलएंडटी, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, महिंद्रा डिफेंस सिस्टम्स और भारत फोर्ज जैसी निजी कंपनियों के साथ सहयोग करेगा। निजी कंपनियां पहले ही सेना के लिए टैंक और नौसेना के लिए जहाज बना रही हैं।

लेकिन जटिल रक्षा प्रणालियों के लिए डीआरडीओ द्वारा टेक्नोलॉजी और संसाधन साझा किए जाने से भारत की विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी। इसरो और डीआरडीओ- दोनों के ये कदम सही दिशा में हैं। भारत लंबे समय से लड़ाकू विमानों के निर्माण के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर निर्भर रहा है।

यह व्यवस्था तो आगे भी जारी रहेगी, लेकिन अत्याधुनिक रक्षा परियोजनाओं की विस्तृत शृंखला के लिए मैन्युफैक्चरिंग सुविधाएं स्थापित करने में निजी कंपनियों की भागीदारी लगातार बढ़ेगी। रक्षा मंत्रालय ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाना, रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करना और आपूर्ति शृंखला में उद्यमों तथा अन्य टेक्नोलॉजी-पार्टनर्स की भागीदारी के अवसर पैदा करना है। रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में तकनीकी रूप से सक्षम निजी कंपनियों को शामिल करने के अलावा सरकार को अब इससे भी अधिक साहसिक सुधार पर विचार करना चाहिए। पश्चिमी देशों में कॉर्पोरेट लीडर्स का सरकार में मंत्री बनना और सरकार से जुड़े लोगों का कॉर्पोरेट क्षेत्र में जाना एक प्रचलित परंपरा है।

उदाहरण के लिए, ब्रिटेन के पूर्व उप-प्रधानमंत्री निक क्लेग सरकार छोड़ने के बाद मार्क जकरबर्ग की कंपनी मेटा के वाइस-प्रेसिडेंट बने। इसके उलट, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन राजनीति में आने से पहले मीडिया कंपनी कार्लटन कम्युनिकेशंस में कार्यकारी पद पर काम कर चुके थे। भारत में भी इन्फोसिस चेयरमैन नंदन नीलेकणि कई सरकारी समितियों में काम कर चुके हैं और उन्हें 'आधार' की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

फिलहाल वे नीट परीक्षाओं की व्यवस्था में सुधार के लिए गठित उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं। नीलेकणि एक बेहतरीन मंत्री भी साबित हो सकते थे। यही बात टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन के बारे में भी कही जा सकती है, जिनका टाटा समूह में कार्यकाल अगले साल पूरा हो रहा है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में राजनीति के दूसरे फैक्टर्स आड़े आते हैं- क्षेत्र, जाति, धर्म और विचारधारा।

हालांकि कुछ टेक्नोक्रेट्स को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है, जैसे एस. जयशंकर और अश्विनी वैष्णव। वे दोनों पूर्व नौकरशाह हैं। जयशंकर भारतीय विदेश सेवा से आए हैं, जबकि वैष्णव भारतीय प्रशासनिक सेवा से। दोनों का कोई राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र नहीं है, लेकिन दोनों ही बेहतरीन मंत्री साबित हुए हैं। दरअसल, जयशंकर तो आईएफएस से सेवानिवृत्त होने के बाद और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से पहले कुछ समय तक टाटा समूह के साथ भी काम कर चुके थे।

इस तरह की नियुक्तियों की ऐतिहासिक मिसालें भी मौजूद हैं। जवाहरलाल नेहरू का पहला केंद्रीय मंत्रिमंडल तो टेक्नोक्रेट्स से भरा हुआ था। अर्थशास्त्री, शिक्षाविद् और टाटा संस के कॉर्पोरेट अधिकारी डॉ. जॉन मथाई को नेहरू ने रेल और परिवहन मंत्री नियुक्त किया था और बाद में वे वित्त मंत्री भी बने। अर्थशास्त्री और उद्योगपति आर.के. षणमुखम चेट्टी ने भी नेहरू मंत्रिमंडल में वित्त मंत्रालय संभाला। जाने-माने कारोबारी और बैंकिंग विशेषज्ञ सी.एच. भाभा ने वाणिज्य मंत्री के रूप में काम किया। पेशेवरों को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए सोच में बदलाव की जरूरत होगी। महिंद्रा समूह के पूर्व सीईओ पवन गोयनका का ही उदाहरण लें। अंतरिक्ष विभाग के अधीन अंतरिक्ष क्षेत्र के नियामक इन-स्पेस के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति एक निर्विवाद सफलता रही है। गोयनका ने भारत के अंतरिक्ष मिशन में पेशेवर दृष्टिकोण और नई ऊर्जा का संचार किया है।

एस. जयशंकर और अश्विनी वैष्णव पूर्व नौकरशाह हैं। जयशंकर भारतीय विदेश सेवा से आए हैं, जबकि वैष्णव भारतीय प्रशासनिक सेवा से। दोनों का कोई राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र नहीं है, लेकिन दोनों ही बेहतरीन मंत्री साबित हुए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

लक्ष्य जितना बड़ा होता है,पाना उतना ही मुश्किल होता है

हर आदमी,परिवार,समाज व देश का एक या कई लक्ष्य होते हैं।जिन्हें सभी हासिल करना चाहते हैं लेकिन लक्ष्य तय करना जितना आसान होता है लेकिन लक्ष्य को हासिल करना उतना आसान नहीं होता है। लक्ष्य छोटा होता है तो भी उसे हासिल करना आसान नहीं होता है,उसके लिए मेहनत करनी पड़ती है।लोगों का सहयोग लेना पड़ता है, लोगों को समझाना पड़ता है कि लक्ष्य हासिल करना व्यक्ति,समाज,गांव,शहर के लिए कितना लाभदायक होगा।लक्ष्य बड़ा हो तो उसे हासिल करना और मुश्किल होता है।जैसे किसी गांव में शराबबंदी करनी है तो शहर की तुलना मे वहां शराबबंदी आसान होता है क्योंकि गांव में कुछ सौ लोगों को ही इसके लिए तैयार करना पड़ता है, समझाना पड़ता है कि उससे गांव में परिवार में शांति होगी। गांव में थोड़े से लोग ही शराब पीने वाले होते हैं,ज्यादातर लोग नहीं पीने वाले होते हैं इसलिए कई बार सुनने में आता है कि फलाने गांव में गांव के लोगों ने शराबबंदी कर दी है। इससे गांव में अब शांति है,परिवार व गांव में लड़ाई झगड़ा कम हो गया है।

गांव की तुलना में शहर में शराबबंदी का लक्ष्य तो तय किया जा सकता है लेकिन इस पाना गांव की तुलना में कई गुना मुश्किल होता है। क्योंकि शहर की आबादी लाखों में होती है,शहर में लाखों लोग रोज शराब पीते हैं।लाखों लोगों के शराब पीने से सरकार को आय होती है।इसलिए सरकार शराब को परिवार,समाज के लिए बुरा मानते हुए भी उसकी बिक्री पर कोई रोक नहीं लगाती है।वह तो ज्यादा शराब दुकान खोलकर शराब की बिक्री से ज्यादा आय पाना चाहती है ताकि उसके खर्च बढ़े तो उसे कर्ज न लेना पड़े या आर्थिक तंगी न हो।सरकार एक तरफ अभियान भी चलाती है कि लोगों को बताती है कि शराब पीने से क्या नुकसान होता है और दूसरी तरफ शराब बेचने के लिए नई नई दुकाने भी खोलती जाती है।कई राजनीतिक दलों की सरकारें तो इससे राज्य के लिए खर्च का इंतजाम करने के साथ ही भ्रष्टाचार करके पार्टी फंड के लिए पैसा जुटाने का काम कर चुकी हैं,चुनाव लड़ने के लिए पैसों का इंतजाम शराब नीति में फेरबदल करके कर चुकी हैं।

लोग भी चाहते है कि शराबबंदी होनी चाहिए और सरकार भी चाहती है कि शराबबंदी होनी चाहिए। लोगों को शराब नहीं पीनी चाहिए। इससे न घर में शांति रहती है और न शहर में शांति रहती है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती है इसलिए महिलाएं ज्यादा चाहती हैं राज्य में शराबबंदी होनी चाहिए। एक राजनीतिक दल ने महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर वोट ले लिए चुनाव जीत गया लेकिन जब शराबबंदी करने की बात आई,वह शराबबंदी नही कर सका क्योंकि सत्ता मिलने के बाद उसे पता चला कि शराबबंदी का वादा करना जितना सरल होता है,शराबबंदी करना उससे कहीं ज्यादा मुश्किल होता है।बिहार मे एक सरकार ने शराबबंदी करके दिखा दिया कि राज्य में सरकार चाहे तो शराबबंदी की जा सकती है लेकिन उनको भी शराबबंदी के बाद पता चला कि शराबबंदी करना आसान है लेकिन राज्य में शराब की बिक्री पर रोक लगाना संभव नहीं है यानी शराबबंदी के बाद अवैध रूप से शराब की बिक्री होने लगती है।गुजरात में आजादी के बाद से शराबबंदी हैं लेकिन शराब तो वहां भी बिकती है और पीने वाले तो वहां भी पीते हैं। शराबबंदी करने का मतलब तो यह नहीं होता है कि लोग शराब पीना बंद कर देंगे। बल्कि शराबबंदी के बाद लोगों को अच्छी शराब नहीं मिलती है तो लोग दूसरे सूखा नशा करने लगते हैं, जहरीली शराब पीने लगते हैं। यानी नशे की समस्या तो बनी ही रहती है।इसलिए भी राज्य सरकारें अपने यहां शराबबंदी नहीं करती है।

शराबबंदी से बड़ा लक्ष्य नशाबंदी होता है यानी समाज,राज्य व देश को नशामुक्त करने का लक्ष्य और बड़ा होता है,यदि किसी गांव को नशामुक्त करना हो तो वह किया जा सकता है लेकिन जैसे ही किसी शहर,जिला,प्रदेश व देश व युवा को नशामुक्त करने का लक्ष्य तय किया जाता है तो यह लक्ष्य बहुत बड़ा हो जाता है और इसे हासिल करना उतना ही मुश्किल होता है। नशामुक्त राज्य व नशामुक्त युवा का लक्ष्य राज्य सरकारों के लिए मुश्किल लक्ष्य होता है।उनके सामने मुश्किल यह होती है कि जैसे ही वह नशामुक्त युवा का लक्ष्य तय करती हैं, उनकी आलोचना इस बात के लिए होनी लगती है कि वह शराब की बिक्री कराती है और दूसरी तरफ नशामुक्त युवा की बात करती है।

भजन का एक अर्थ यह भी है कि अन्न का दान और सम्मान करें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भजन का सामान्य अर्थ भगवान का स्मरण, नाम-जप, कीर्तन और आराधना करना माना जाता है। यह माना गया है कि ईश्वर का सच्चे मन से स्मरण करने से जीवन के अनेक क्लेश कम होते हैं। हमारे भीतर और आसपास मौजूद दुख, तनाव और नकारात्मकता को दूर करने के लिए भजन एक सकारात्मक माध्यम बन सकता है। लेकिन यदि भजन के अर्थ को केवल पूजा-पाठ तक सीमित कर दिया जाए तो शायद हम उसके व्यापक संदेश को पूरी तरह नहीं समझ पाएंगे।

क्लेश का सामान्य अर्थ कष्ट और कलह माना जाता है। योगशास्त्र में क्लेश के पांच प्रमुख रूप बताए गए हैं—अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश। इनमें अभिनिवेश का संबंध मृत्यु के भय से भी माना गया है। अर्थात मनुष्य के जीवन में बाहरी समस्याओं के साथ-साथ आंतरिक भय, मोह, अहंकार और नकारात्मक भावनाएं भी क्लेश का कारण बनती हैं। रामचरितमानस में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी से कहते हैं कि भगवान के भजन के बिना जीवों के क्लेश समाप्त नहीं होते। इस संदेश का अर्थ केवल इतना नहीं कि हम ईश्वर का नाम लें, बल्कि यह भी है कि हमारा जीवन ईश्वर के गुणों और परहित की भावना से जुड़ा हो। सच्ची भक्ति तब और सार्थक बनती है, जब वह किसी जरूरतमंद के जीवन में सुख और सहयोग का कारण बने।

आज समाज के सामने भूख और कुपोषण एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में हमारे भजन का एक व्यावहारिक अर्थ अन्न का दान और उसका सम्मान करना भी हो सकता है। भोजन को व्यर्थ फेंकना, आवश्यकता से अधिक परोसकर बर्बाद करना या अन्न के प्रति असावधानी दिखाना केवल संसाधनों की बर्बादी नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की भी उपेक्षा है। यदि हमारे घर में भोजन बनता है तो उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। किसान की मेहनत, प्रकृति के संसाधन और अनेक लोगों के श्रम से अन्न हमारी थाली तक पहुंचता है। इसलिए अन्न को सम्मानपूर्वक ग्रहण करना और जितनी आवश्यकता हो, उतना ही लेना एक अच्छी आदत है।

भूखे व्यक्ति को भोजन कराना, जरूरतमंद परिवारों तक अन्न पहुंचाना और भोजन की बर्बादी रोकना भी सेवा और भक्ति का स्वरूप है। मंदिर में पूजा करने के साथ यदि हम किसी भूखे को भोजन भी कराते हैं, तो हमारी आस्था का सामाजिक अर्थ और अधिक व्यापक हो जाता है। इसलिए भजन केवल शब्दों में नहीं, व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए। अन्न का सम्मान करें, भोजन की बर्बादी रोकें और अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाएं। संभव है कि किसी भूखे के चेहरे पर आई संतुष्टि ही हमारे जीवन का सबसे सच्चा भजन बन जाए।

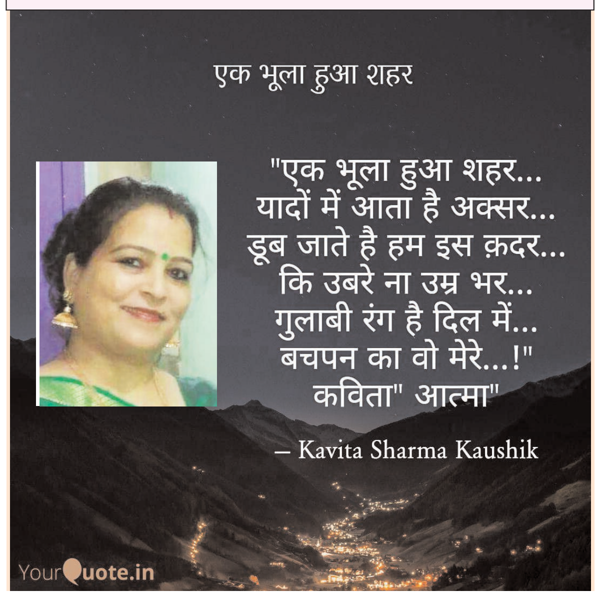

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान राम से लोग कैकेईजी की निंदा करते हुए कहते हैं कि उनके हृदय में क्रोध आ गया, लोभ आ गया, फलाकांक्षा आ गई तथा उनके हृदय में अहंकार का उदय हो गया तथा महाराज श्रीदशरथ के हृदय में काम आ गया। और साधारणतः व्यक्ति को लगता है कि जब इतने बड़े-बड़े व्यक्तियों के अंतःकरण में भी इतने दुर्गुण आ गए फिर अयोध्या और लंका में अंतर कहां रहा ? किंतु अगर विचार करके देखिए तो बहुत बड़ा भेद है। गोस्वामीजी एक ओर तो कहते हैं कि दुर्गुण राक्षस हैं और दूसरी ओर वे दुर्गुणों को रोग बताते हैं। गोस्वामीजी कहते हैं, मोह रावण है, अहंकार कुम्भकर्ण है तथा काम

मेघनाद है –
मोह दसमौलि तद्भ्रात अहंकार पाकारिजित काम विश्रामहारी।
और दूसरी ओर वे कहते हैं कि मोह, अहंकार और काम आदि ये सब रोग हैं –
काम बात कफ लोभ अपारा। क्रोध पित्त नित छाती जारा।।
अहंकार अति दुखद डमरुआ। दंभ कपट मद मान नेहरुआ।।
इस प्रकार समाज में दो प्रकार के व्यक्ति होते हैं। कुछ लोगों के जीवन में दुर्गुण रोग के समान हैं और कुछ लोगों के जीवन में राक्षस के समान।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

रायपुर के नंदनवन का 50 करोड़ से होगा कायाकल्प:पीपीपी मॉडल पर बनेगा नया बॉटनिकल गार्डन, उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

रायपुर। रायपुर के अटारी गांव स्थित नंदनवन को अब नए और आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा। इसके कायाकल्प पर करीब 50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। परियोजना को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित करने की तैयारी है। मंत्रालय महानदी भवन में सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों ने नंदनवन के पुनर्विकास की प्रस्तावित योजना का मुख्य सचिव विकासशील के सामने प्रेजेंटेशन दिया।

प्रस्तावित परियोजना में नंदनवन के बॉटनिकल गार्डन को नए सिरे से विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही यहां के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर फोकस रहेगा।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नंदनवन के विकास की योजना में पर्यटकों की सुविधा और आकर्षण का खास ध्यान रखा जाए। यहां ऐसी जन-सुविधाएं विकसित की जाएं, जिससे लोगों को बेहतर अनुभव मिल सके।

पर्यावरण संरक्षण पर भी फोकस

नंदनवन के विकास में बॉटनिकल गार्डन को प्रमुखता दी जाएगी। परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ ही नंदनवन को एक बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। पीपीपी मॉडल के जरिए निजी क्षेत्र की भागीदारी से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

समीक्षा बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, वित्त विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, सीजीएमएससी के सीईओ चंदन कुमार समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

तोखन साहू बन सकते हैं छत्तीसगढ़ BJP के कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष के नाम को लेकर चर्चा जोरों पर है। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल हैं। संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रियता सीमित होने के कारण जल्द ही किसी को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस रेस में केंद्रीय मंत्री और बिलासपुर सांसद तोखन साहू का नाम सबसे आगे चल रहा है। बताया जा रहा है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने तोखन साहू को दिल्ली बुलाया है। इसके अलावा पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, कुरुद विधायक अजय चंद्राकर, राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नाम की भी चर्चा है। हालांकि बीजेपी के पदाधिकारी किसी भी तरह के बदलाव से इनकार कर रहे हैं। इसके अलावा बीजेपी ने प्रदेश के विभिन्न मोर्चों के नए प्रभारियों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति के बाद 7 मोर्चों के लिए नए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। जारी सूची में युवा मोर्चे से लेकर महिला, किसान, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक मोर्चे तक जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

शिक्षा और खेल विकास को नई दिशा देने में जुटे सांसद बृजमोहन अग्रवाल, ष्टस्क्रफंड के प्रभावी उपयोग पर दिया जोर

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल संस्कृति ही विकसित भारत की मजबूत नींव : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र से वरिष्ठ सांसद एवं शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के वरिष्ठ सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव में आयोजित संसदीय अध्ययन दौरे में शिक्षा और खेल विकास को लेकर व्यापक रणनीतिक मंथन किया।

अग्रवाल ने राष्ट्रीय पटल पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना और कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (ष्टस्क्र) फंड के प्रभावी उपयोग का रोडमैप प्रस्तुत किया। दीव में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने भारत सरकार के विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, केंद्र शासित प्रदेश के शिक्षा निदेशालय, नवोदय विद्यालय समिति तथा वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया।

बैठक में अग्रवाल ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समेत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर जोर देते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए सीएसआर फंड का बड़ा हिस्सा आधुनिक खेल मैदान, सिंथेटिक ट्रैक, उपकरण और प्रशिक्षण केंद्रों के निर्माण में लगाया जाए।

'पीएम श्री' जवाहर नवोदय विद्यालय, दीव का निरीक्षण

अध्ययन प्रवास के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दीव स्थित 'पीएम श्री' जवाहर नवोदय विद्यालय का सघन दौरा किया। उन्होंने डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, खेल परिसरों और छात्रावास व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सफल क्रियान्वयन

अग्रवाल का कहना है कि, 'पीएम श्री' योजना भावी पीढ़ी के सर्वांगीण विकास का राष्ट्रीय मॉडल है, जिसे हर राज्य के अंतिम छोर तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार की 'पीएम श्री' योजना का लाभ छत्तीसगढ़ के वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण के तहत 211 स्कूलों को 'पीएम श्री' के रूप में अपग्रेड कर विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, जिससे राज्य के 2 लाख से अधिक विद्यार्थी सीधे लाभान्वित हो रहे हैं।

राज्य के स्कूलों में आईसीटी लैब, वोकेशनल ट्रेनिंग और स्मार्ट क्लासरूम के जरिए विद्यार्थियों को 21वीं सदी के कौशल से जोड़ा जा रहा है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल संस्कृति का विस्तार ही सबसे मजबूत आधार स्तंभ है।

सेजबहार में घरों में घुस रहा नाले का पानी: गंदे पानी से रहवासी परेशान

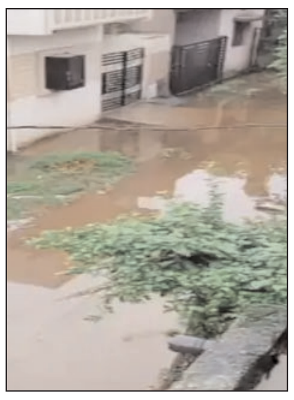

रायपुर। रायपुर के सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-1 में बारिश के बाद जलभराव से रहवासियों की परेशानी बढ़ गई है। कॉलोनी के कई हिस्सों में गंदा पानी जमा है। नाले का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। पानी की निकासी नहीं होने और नालियों में गंदगी जमा रहने से स्थिति और बिगड़ती जा रही है।

कई जगह पानी इतना ज्यादा जमा है कि लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। रहवासियों का कहना है कि लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक कॉलोनी की नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। नालियों में गंदगी और कचरा जमा होने के कारण बारिश का पानी बाहर निकलने के बजाय कॉलोनी के अंदर ही जमा हो रहा है।

CGPSC 2025 का रिजल्ट जारी, 608 कैंडिडेट्स सिलेक्टः 21 सितंबर से इंटरव्यू, आयोग ने दिए दस्तावेज तैयार रखने की सलाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 की मुख्य लिखित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। मुख्य परीक्षा में सफल 608 कैंडिडेट्स का चयन अब प्रक्रिया के अगले चरण के लिए किया गया है। आयोग ने चयनित कैंडिडेट्स की सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

कैंडिडेट जारी सूची में अपना नाम, रोल नंबर, आवेदन क्रमांक और जन्मतिथि देखकर परिणाम की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 के लिए विज्ञापन क्रमांक 06/2025 के तहत परीक्षा प्रक्रिया आयोजित की थी। चयनित कैंडिडेट्स के लिए 21 सितंबर 2026 से इंटरव्यू शुरू होगा।

21 सितंबर से इंटरव्यू

मुख्य परीक्षा में चयनित कैंडिडेट्स के लिए अब इंटरव्यू का चरण होगा। आयोग के अनुसार इंटरव्यू की प्रक्रिया 21 सितंबर 2026 से शुरू होगी। चयनित कैंडिडेट्स को आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

वेबसाइट पर देख सकते हैं रिजल्ट

CGPSC ने परिणाम के साथ चयनित कैंडिडेट्स की विस्तृत सूची भी जारी की है। इसमें कैंडिडेट्स से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई है। कैंडिडेट आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सूची डाउनलोड कर सकते हैं और उसमें अपना नाम, रोल नंबर, आवेदन क्रमांक और जन्मतिथि चेक कर सकते हैं।

दस्तावेज तैयार रखने की सलाह

मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को इंटरव्यू और दस्तावेज सत्यापन से जुड़े जरूरी प्रमाण-पत्र तैयार रखने की सलाह दी गई है। आयोग आगे की प्रक्रिया, समय-सारणी और आवश्यक दिशा-निर्देश से संबंधित जानकारी आधिकारिक माध्यम से जारी करेगा।

आयोग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि परीक्षा से जुड़ी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। किसी अनधिकृत माध्यम से मिलने वाली जानकारी को सही न मानें।

608 अभ्यर्थियों के चयन के साथ राज्य सेवा परीक्षा 2025 की चयन प्रक्रिया अब अंतिम चरण की ओर बढ़ गई है। इंटरव्यू के बाद विभिन्न पदों पर अंतिम चयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

प्रदेश के निगमों में काम बढ़ता गया, अमला घटता गया...:1465 पद खाली, भर्ती 85 की; 14 निगमों ने मांगे थे 266 पद

रायपुर/बिलासपुर। प्रदेश के नगर निगमों में अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी के बीच सरकार ने सीधी भर्ती का रास्ता तो खोल दिया है, लेकिन मंजूरी जरूरत के मुकाबले बेहद सीमित है। राज्य के 14 नगर निगमों में चार महत्वपूर्ण श्रेणियों के 1465 स्वीकृत पदों में 1127 पद खाली हैं, जबकि निगमों ने इन रिक्तियों के मुकाबले कुल 266 पदों पर भर्ती का प्रस्ताव भेजा था।

वित्त विभाग ने इनमें से केवल 85 पदों पर सीधी भर्ती की सहमति दी है। यानी जिन चार श्रेणियों में नगर निगमों में बड़ी संख्या में पद खाली हैं, उनमें कुल रिक्तियों के मुकाबले भर्ती की मंजूरी 10% से भी कम है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने वित्त विभाग की सहमति मिलने के बाद सभी नगर निगमों को स्वीकृत पदों की जानकारी छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं।

भर्ती के लिए 10 राजस्व निरीक्षक, 30 सहायक राजस्व निरीक्षक, 25 सहायक वर्ग-3 और 20 उप अभियंता के पद मंजूर किए गए हैं। वित्त विभाग ने इस संबंध में 17 अगस्त 2026 को सहमति दी थी, जिसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए आदेश जारी किया।

बिलासपुर नगर निगम की स्थिति चिंताजनक, 160 पद खाली

राज्य के प्रमुख नगर निगमों में बिलासपुर की स्थिति भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। यहां इन चार श्रेणियों में 230 स्वीकृत पदों के मुकाबले 160 पद खाली हैं। यानी करीब 68 प्रतिशत अमला नहीं है। निगम ने 13 पदों पर भर्ती का प्रस्ताव भेजा था और सरकार ने सभी 13 पदों को मंजूरी दी है।

बिलासपुर को 2 राजस्व निरीक्षक, 4 सहायक राजस्व निरीक्षक, 3 सहायक वर्ग-3 और 4 उप अभियंता मिलेंगे। इससे राजस्व वसूली और निर्माण कार्यों की तकनीकी निगरानी को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन खाली पदों की तुलना में यह संख्या अभी भी बेहद कम है।

रायपुर से कोरबा तक खाली पदों का दबाव

राजधानी रायपुर में भी स्थिति गंभीर है। यहां चार श्रेणियों के 344 स्वीकृत पदों में 241 पद खाली हैं, लेकिन भर्ती के लिए सिर्फ 22 पद प्रस्तावित किए गए थे। भिलाई में 113, दुर्ग में 121, कोरबा में 102 और बिलासपुर में 160 पद रिक्त हैं। सबसे अधिक रिक्तियां सहायक वर्ग-3 और उप अभियंता श्रेणी में हैं।

प्रदेश के 14 नगर निगमों में 593 स्वीकृत सहायक वर्ग-3 पदों में 500 पद खाली हैं।

कर्मचारियों के वेतन में कटौती, टॉपग्रेड मेनपावर पर एक्शन:10 लाख की सिक्योरिटी जब्त, एजेंसी ब्लैकलिस्ट; कर्मचारियों की शिकायत पर अफसरों ने लिया एक्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने प्लेसमेंट के जरिए मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली मेसर्स टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड राजनांदगांव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर एजेंसी की 10 लाख रुपए की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी राजसात कर ली गई है। इसके साथ ही कंपनी को मंडल में कार्यरत एजेंसियों की काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में दर्ज कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों को मेसर्स टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत मिली थी।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों को मेसर्स टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत मिली थी।

5 महीने तक वेतन से काटी राशि

नया रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल और छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की

संयुक्त निविदा के तहत एजेंसी के साथ 1 जुलाई 2023 को अनुबंध हुआ था। इसकी अवधि मार्च 2026 में समाप्त हो गई।

अनुबंध समाप्त होने के बाद मंडल मुख्यालय में काम करने वाले प्लेसमेंट कर्मचारियों ने शिकायत की है कि, एजेंसी ने करीब 5 महीने तक उनके वेतन से सुरक्षा निधि के नाम पर राशि काटी। कर्मचारियों को कार्यकाल पूरा होने के बाद रकम वापस करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उन्हें राशि नहीं मिली।

शिकायत मिलने के बाद मंडल ने एजेंसी से जुड़े दस्तावेजों, बैंक खातों और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच की। जांच में कर्मचारियों के वेतन से किश्तों में राशि काटने की पुष्टि हुई। साथ ही मंडल से एजेंसी को मिली राशि की तुलना में कर्मचारियों को कम वेतन दिए जाने की बात भी सामने आई।

मंडल ने एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। एजेंसी ने अपने जवाब में कर्मचारियों के वेतन से राशि काटे जाने की बात स्वीकार की। शिकायत के बाद कुछ राशि कर्मचारियों को वापस किए जाने की जानकारी भी सामने आई।

निविदा की शर्तों के तहत एजेंसी के लिए श्वक्क्न, श्वस्ढ्ढष्ट, **LWF** और **Minimum Wages Act** समेत संबंधित श्रम कानूनों का पालन करना अनिवार्य था। कर्मचारियों के वैधानिक अंशदान को संबंधित खातों में जमा कर उसके चालान प्रस्तुत करना भी जरूरी था।

जांच में अनुबंधीय शर्तों का उल्लंघन प्रमाणित होने के बाद मंडल ने 10 लाख रुपए की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी जब्त करने और एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का फैसला लिया।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल
मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन का पूरा फल मिलने की संभावना है। लंबे समय से जिस कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे थे, उसमें सफलता मिल सकती है। शुक्र के गोचर के प्रभाव से आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं और आय से जुड़े नए अवसर सामने आ सकते हैं। समाज तथा कार्यस्थल पर आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृषभ। शुक्र का यह गोचर आपके लिए अत्यंत शुभ और लाभकारी परिणाम लेकर आ सकता है। जीवन में सुख-सुविधाओं की वृद्धि होगी तथा लंबे समय से रुके हुए कार्य धीरे-धीरे पूरे होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और किसी पुराने प्रयास का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें कुशलता से पूरा करेंगे।

मिथुन। मंगल के नक्षत्र परिवर्तन के प्रभाव से लंबे समय से अटके हुए कार्यों में गति आने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिनका आप अपनी बुद्धिमत्ता और मेहनत से सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। परिवार में खुशहाली का वातावरण रहेगा और परिजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कर्क। आज मानसिक शांति बनाए रखने में आप सफल रहेंगे और पारिवारिक वातावरण भी सामान्यत: सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों को धैर्य और समझदारी के साथ पूरा करने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी बड़े निवेश, संपत्ति संबंधी निर्णय या महत्वपूर्ण लेन-देन से पहले किसी अनुभवी और जानकार व्यक्ति की सलाह जरूर लें।

सिंह। आज का दिन आपके लिए मिलाजुला परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहेगा और एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं। धैर्य और सही समय प्रबंधन से आप सभी कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। आर्थिक मामलों में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचना उचित होगा। शाम के समय किसी पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात हो सकती है,

कन्या। आज आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी योजना और व्यवस्थित कार्यशैली से सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है, जबकि व्यापार से जुड़े जातकों को किसी महत्वपूर्ण योजना में प्रगति दिखाई देगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है।

तुला। आज आपकी राशि में शुक्र के प्रवेश से मालव्य राजयोग का प्रभाव आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। व्यवसाय और नौकरी के क्षेत्र में तरक्की के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपकी कार्यक्षमता और व्यक्तित्व से लोग प्रभावित होंगे तथा मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में धन लाभ के योग बन रहे हैं और आय के नए स्रोतों पर विचार किया जा सकता है।

वृश्चिक। आज लंबी यात्रा के योग बन सकते हैं। यात्रा व्यक्तिगत, पारिवारिक या कामकाज से जुड़ी हो सकती है और उचित योजना बनाने पर लाभदायक सिद्ध होगी। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें। कोर्ट-कचहरी या कानूनी मामलों से यथासंभव दूर रहना बेहतर होगा और किसी विवादित विषय में जल्दबाजी से प्रतिक्रिया न दें। पारिवारिक जीवन में धैर्य और समझदारी से काम लेने की आवश्यकता है।

धनु। आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत की सराहना होने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो सकता है। छात्रों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल है और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को मेहनत जारी रखनी चाहिए। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है।

मकर। आज आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। आय में सुधार हो सकता है और लंबे समय से चल रही किसी आर्थिक समस्या से राहत मिलने की संभावना है। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे और किसी नई योजना या संपर्क से लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को भी कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि आज गुस्से और आवेश पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी है। छोटी बात पर प्रतिक्रिया देने से संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ धैर्यपूर्वक बातचीत करें।

कुंभ। आज रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अच्छा अवसर मिल सकता है। कला, लेखन, संगीत या अन्य सृजनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। दोस्तों के साथ समय अच्छा बीतेगा और किसी पुराने मित्र से मुलाकात भी संभव है। कार्यक्षेत्र में नए विचारों को उचित दिशा देने से सफलता मिलेगी। हालांकि वित्तीय मामलों में विशेष सतर्कता जरूरी है। निवेश या बड़े खर्च से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

मीन। आज वैवाहिक जीवन में मधुरता और आपसी समझ बढ़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा और परिजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार के संकेत हैं, फिर भी नियमित दिनचर्या और संतुलित खान-पान बनाए रखना जरूरी है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की प्रशंसा होगी। वरिष्ठ अधिकारी और सहकर्मी आपके कार्य से प्रभावित हो सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को भी धीरे-धीरे सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

यह दोनों राज्यों के बीच सहयोग और साझा प्रगति की शुरुआत है : सम्राट

25 साल बाद बंटा सोन का पानी, खेती को फायदा:बिहार को 5.75 और झारखंड को 2.00 एमएएफ पानी मिलेगा

पटना। बिहार और झारखंड के बीच सोन नद के पानी के बंटवारे का 25 वर्ष पुराना विवाद खत्म हो गया। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में दोनों राज्यों के बीच एमओयू हुआ। इसके अनुसार बिहार को 5.75 एमएएफ (मिलियन एकड़ फीट) और झारखंड को 2.00 एमएएफ पानी मिलेगा। इससे दोनों राज्यों की जल सुरक्षा और कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी। केंद्रीय जल आयोग ने दोनों राज्यों की तकनीकी सहमति से एमओयू का प्रारूप तैयार किया।

सम्राट चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार जताया। कहा-यह सिर्फ पानी के बंटवारे का समझौता नहीं है, बल्कि बिहार और झारखंड के बीच सहयोग, विश्वास और साझा विकास के नए अध्याय की शुरुआत है। सहकारी संघवाद की यह भावना आने वाले समय में दोनों राज्यों के किसानों और आम नागरिकों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार व झारखंड के मुख्य सचिव क्रमश: प्रत्यय अमृत व अविनाश कुमार आदि भी मौजूद रहे।

इन्द्रपुरी जलाशय का रास्ता साफ : वर्षों से लंबित इन्द्रपुरी जलाशय परियोजना के निर्माण का रास्ता पूरी तरह साफ हुआ। 8 जिलों में बारहमासी सिंचाई : भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, पटना, गया और अरवल में सिंचाई की सुविधा बढ़ेगी। पेयजल और औद्योगिक क्रांति : दक्षिण बिहार के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की किल्लत समाप्त होगी और उद्योगों के लिए भरपूर जल मिलेगा।

क्या था समझौता

सोन पानी बंटवारा : किसे, कितना व कैसे मिला हिस्सा

1973 के बाणसागर समझौते के तहत सोन नद का कुल उपलब्ध पानी 14.25 एमएएफ निर्धारित है।

बाणसागर समझौते (1973) में पूर्व का आवंटन

मध्यप्रदेश 5.25 एमएएफ उत्तरप्रदेश 1.25 एमएएफ अवि. बिहार 7.75 एमएएफ

2026 के एमओयू के तहत अविभाजित बिहार के हिस्से का बंटवारा

बिहार : नया हिस्सा 5.75 एमएएफ झारखंड : नया हिस्सा 2.00 एमएएफ

कहां अटका था मामला

1973 से 2026 तक : विवाद और समाधान का सफरनामा

1973 (बाणसागर समझौता): सोन के पानी का बंटवारा उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और अविभाजित बिहार के बीच हुआ। बिहार को 7.75 एमएएफ पानी मिला। जुलाई 2025 से अगस्त 2026 : केंद्रीय जल आयोग ने समझौते का प्रारूप तैयार कर दोनों राज्यों को भेजा।

समझौता सहकारी संघवाद की मिसाल

समझौता सहकारी संघवाद की मिसाल है। यह पूर्वी भारत के समग्र क्षेत्रीय विकास और स्थायी जल प्रबंधन के एक नए अध्याय की शुरुआत करता है। पानी की धारा से पूर्वी भारत का आर्थिक और सांस्कृतिक द्वार खुलेगा। वर्षों से सूखा झेल रहे दक्षिण बिहार के जिलों के लिए यह पानी खेती की संजीवनी बनेगा। इससे इस क्षेत्र की कृषि जीडीपी में बड़ा उछाल आ सकता है।

उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग की योजनाः झारखंड के कॉलेज-विवि में हर साल 196 'जे-टॉक'; देश-विदेश के एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज

रांची। झारखंड में विश्वविद्यालय और कॉलेजों की पढ़ाई को नए स्तर पर ले जाने के लिए सरकार जे-टॉक (झारखंड ट्रांसफॉर्मिंग एकेडमिक लर्निंग एंड नॉलेज प्लेटफॉर्म) शुरू करेगी। इसके जरिए उच्च शिक्षा में अकादमिक बातचीत और नए विचारों को बढ़ावा दिया जाएगा।

देश-विदेश के विशेषज्ञों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर लेक्चर सीरीज, पैनल डिस्कशन, डायलॉग, पॉडकास्ट और यूथ टॉक कराए जाएंगे। इस योजना पर हर साल करीब 5.87 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मंजूरी दे दी है। विभाग अब इसे शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है।

हर साल 196 कार्यक्रम, 9 संबद्ध विवि में सबसे ज्यादा 144 : योजना के तहत राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में हर साल 196 कार्यक्रम होंगे। इनमें देश-विदेश के विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल होंगे। इससे नए विचारों, नवाचार और ज्ञान को साझा करने का मौका मिलेगा। राज्य के 9 संबद्ध विश्वविद्यालयों में हर साल 144 जे-टॉक होंगे। हर कार्यक्रम पर 2 लाख रुपए के हिसाब से 2.88 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं 4 यूनिटरी स्टेट यूनिवर्सिटी में 40 कार्यक्रम होंगे। इन पर 80 लाख रुपए खर्च होंगे। रांची साइंस सेंटर में सालाना 12 जे-टॉक होंगे। हर कार्यक्रम पर 1 लाख रुपए के हिसाब से 12 लाख रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा साल में एक बार स्टेट लेवल एनुअल कॉन्क्लेव होगा, जिस पर 1 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह विश्वविद्यालयों और रांची साइंस सेंटर के नियमित कार्यक्रमों पर करीब 4 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मार्केटिंग एजेंसी पर 25 लाख और प्रिंटिंग-पब्लिशिंग पर 20 लाख रुपए खर्च होने की संभावना है।

कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी काम आएगी सामग्री: जे-टॉक में सिर्फ कार्यक्रम कराकर बात खत्म नहीं होगी। हर कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग और लिखित रूप तैयार किया जाएगा। उसकी इवेंट समरी और छोटे-छोटे लर्निंग मॉड्यूल भी बनाए जाएंगे। इन सभी को एक डिजिटल नॉलेज रिपॉजिटरी में रखा जाएगा। इससे विद्यार्थी, शिक्षक और शोधार्थी बाद में भी इन व्याख्यानों और पढ़ाई से जुड़ी सामग्री का इस्तेमाल कर सकेंगे।

मार्केटिंग एजेंसी करेगी प्रचार, अलग वेब पोर्टल भी बनेगा: जे-टॉक के प्रचार और पहचान बनाने के लिए प्रोफेशनल मार्केटिंग और ब्रांडिंग एजेंसी की मदद ली जाएगी। एजेंसी योजना की ब्रांडिंग और प्रचार की रणनीति बनाएगी। पोस्टर, बैनर, बैकड्रॉप और डिजिटल क्रिएटिव तैयार करने के साथ सोशल मीडिया और दूसरे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इसका प्रचार करेगी।

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से हो रही बारिशः रांची में पूरे दिन झमाझम

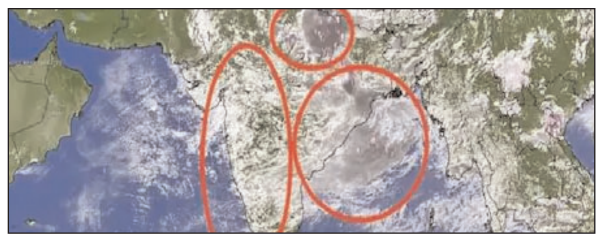

रांची। बंगाल की खाड़ी, गंगा के पश्चिमी बंगाल और उत्तरी तटीय ओडिशा के ऊपर बने निम्न दबाव के असर से झारखंड में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। इस सिस्टम के प्रभाव से सोमवार को राजधानी रांची में सुबह से ही गर्जन के साथ रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहा। सोमवार को रांची में 13 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बोकारो में सर्वाधिक 80 मिमी बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार, 1 सितंबर (मंगलवार) को भी रांची सहित राज्यभर में दिनभर बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 2 सितंबर को सिस्टम का असर मुख्य रूप से राज्य के पश्चिमी जिलों में सिमट जाएगा और फिर मौसम धीरे-धीरे सामान्य होने लगेगा। मानसून की मौजूदा सक्रियता के बीच रांची जिले में बारिश की स्थिति काफी बेहतर बनी हुई है।

लातेहार के महुआडांड़ में रिकॉर्ड 171 मिमी बारिश दर्ज की गई। सामान्य से अधिक बारिश वाले जिले : रांची, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा। बारिश की भारी कमी झेल रहे जिले : बोकारो (52% कम), देवघर व कोडरमा (41% कम), गढ़वा (39% कम), चतरा (37% कम) और गिरिडीह (35% कम)।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह :गर्भ से कुपोषण; राज्य में 6 माह में 9 हजार बच्चे 2 किलो से कम के जन्मे

रांची। झारखंड में कुपोषण की चुनौती सिर्फ बच्चों के बड़े होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत जन्म के समय से ही हो रही है। राज्य में पिछले छह महीनों में जन्मे हजारों बच्चों का वजन सामान्य से कम रहा। दैनिक भास्कर ने रांची, जमशेदपुर, धनबाद, पलामू, खूंटी और बोकारो सहित 9 जिलों के सरकारी अस्पतालों के आंकड़े जुटाए। इनके अनुसार, पिछले छह महीने में 95 हजार से ज्यादा बच्चों का जन्म जिला अस्पताल, सीएचसी-पीएचसी और मेडिकल कॉलेज में हुआ। इनमें करीब 9 हजार नवजातों का वजन 2 किलो से कम था। ग्रामीण क्षेत्रों में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात शहरों की तुलना में ज्यादा है। विशेषज्ञ इसके पीछे गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और पोषण की कमी को कारण मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के आंकड़े भी इस चिंता की पुष्टि करते हैं।

सर्वे-6 के अनुसार, पांच वर्ष से कम उम्र के 35% बच्चे ठिगनेपन (स्टंटिंग) के शिकार हैं। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 39.6% की तुलना में बेहतर है। दूसरी ओर, कम वजन वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 41.1% हो गई है, जो पिछले सर्वे में 39.4% थी। लंबाई के हिसाब से कम वजन यानी वेस्टिंग 22.3% है। हालांकि, गंभीर कुपोषण या सीवियर वेस्टिंग के मामलों में कमी आई है।

यह आंकड़ा 9.1% से घटकर 5.9% हो गया है। रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू 6 से 23 महीने की उम्र के बच्चों के खानपान को लेकर सामने आया है। इस आयु वर्ग के सिर्फ 13.3% बच्चों को ही पर्याप्त और संतुलित आहार मिल रहा है। यानी करीब 87% बच्चे उचित पोषण से वंचित हैं। हालांकि, 6 से 8 महीने के बच्चों को पूरक आहार देने की स्थिति में सुधार हुआ है। इस आयु वर्ग के 62.8% बच्चों को मां के दूध के साथ ठोस या अर्ध-ठोस आहार दिया जा रहा है, जबकि पिछले सर्वे में यह आंकड़ा 38.8% था।

थाना प्रभारी से अभद्र व्यवहार पर भड़का पुलिस एसोसिएशनः जयराम पर कार्रवाई की मांग, कहा- दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं

पाकुड़। विधायक जयराम महतो द्वारा बरबड्डा थाना प्रभारी के साथ कथित तौर पर किए गए अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज के मामले ने पुलिस महकमे में नाराजगी बढ़ा दी है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन की पाकुड़ जिला शाखा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए विधायक के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

नगर थाना परिसर स्थित शाखा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में एसोसिएशन के अध्यक्ष रामाशीष सिंह ने कहा कि इस तरह का व्यवहार कर्तव्य पर तैनात पुलिस पदाधिकारी के सम्मान और मनोबल को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यदि थाना प्रभारी के खिलाफ विधायक को किसी तरह की शिकायत थी, तो उसे उच्चाधिकारियों के समक्ष या विधानसभा में उठाया जा सकता था।

प्रदेश नेतृत्व के फैसले के साथ खड़ा रहेगा एसोसिएशन

रामाशीष सिंह ने बताया कि विधायक के कथित गाली-गलौज के बाद झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश नेतृत्व ने उचित कार्रवाई के लिए पांच दिवसीय अल्टीमेटम दिया है। पाकुड़ जिला शाखा ने स्पष्ट किया कि वह प्रदेश नेतृत्व के हर निर्णय का पालन करेगी।

उन्होंने कहा कि घटना से राज्यभर के पुलिस अधिकारी और जवान व्यथित हैं। एसोसिएशन किसी भी पुलिसकर्मी या अधिकारी के साथ इस तरह के दुर्व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी के साथ काम करते हैं और उनके साथ सार्वजनिक तौर पर इस तरह का व्यवहार उनके मनोबल को प्रभावित करता है।

एसोसिएशन ने कहा कि पुलिस बल के किसी सदस्य के साथ दुर्व्यवहार केवल व्यक्तिगत अपमान का विषय नहीं है, बल्कि इसका असर पूरी व्यवस्था पर पड़ता है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	4							7
5	9			1			2	
3		6			8		4	1
4			9		5			
	6	5	4	8		1	9	3
2		9	7					4
								9
9			2					
6	5	4		9	3		1	2

पिछले अंक का उत्तर

4	8	2	5	1	3	7	9	6
3	1	5	4	6	9	8	7	2
9	2	7	3	5	8	6	4	1
6	9	8	7	4	2	1	3	5
7	6	3	2	8	1	4	5	9
5	4	1	8	9	6	3	2	7
1	3	9	6	2	7	5	8	4
8	5	6	9	7	4	2	1	3
2	7	4	1	3	5	9	6	8

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

सौर ऊर्जा से खेतों तक पहुंचेगा पानी, प्रखंडों में सिंचाई इकाइयां बनेगी

चतरा। जिले के किसानों को बारिश और बिजली पर निर्भर सिंचाई व्यवस्था से राहत दिलाने की दिशा में सौर ऊर्जा आधारित लिफ्ट सिंचाई योजना को धरातल पर उतारने की तैयारी तेज हो गई है। योजना के तहत विभिन्न प्रखंडों में 2 एचपी क्षमता वाली सौर ऊर्जा संचालित लिफ्ट सिंचाई इकाइयां स्थापित की जाएगी। इसके लिए कृषि विभाग से संभावित स्थलों की स्थलवार सूची मांगी गई है। विभाग स्तर पर सूची तैयार करने का काम चल रहा है।

योजना के तहत नदी, नाला, तालाब सहित अन्य जलस्रोतों के आसपास स्थित ऐसे खेतों को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है, जहां जलस्रोत तो मौजूद हैं, लेकिन ऊंचाई या बिजली की उपलब्धता नहीं होने के कारण खेतों तक पानी पहुंचाना मुश्किल होता है। सोलर पंप के माध्यम से जलस्रोत से पानी उठाकर पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को सिंचाई के लिए डीजल पंप या बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया: इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट की, लिखा- यह फैसला बेहद मुश्किल और दर्दनाक

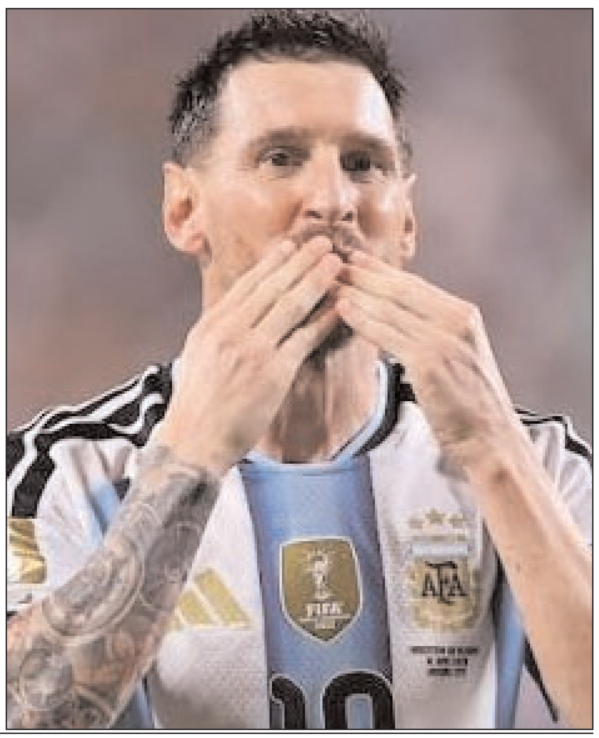

मेसी ने 2016 में भी संन्यास लिया था। तब वे 3 वर्ल्ड कप में कप्तानी कर चुके थे, लेकिन जीत नहीं सके थे। उन्होंने अपना फैसला बदला और टीम को 2022 का वर्ल्ड कप जिताया।

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर हाथ से लिखे नोट की तस्वीर के साथ संन्यास का ऐलान किया।

39 साल के मेसी ने बताया कि फाइनल के 2 दिन बाद 21 जुलाई को ही उन्होंने संन्यास का फैसला लिख लिया था। उनका आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल था, जिसमें अर्जेंटीना को स्पेन से हार मिली थी।

मेसी ने लिखा कि उनके पिता जॉर्ज मेसी की मौत के बाद उन्हें लगा कि अर्जेंटीना के लिए करियर खत्म करने का यही सही समय है।' जॉर्ज मेसी का 8 अगस्त को सेंट्रल अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के एक अस्पताल में निधन हुआ था। वे 68 साल के थे।

मेसी ने पोस्ट में क्या लिखा

मेसी ने लिखा, 'यह फैसला लेना तकलीफदेह था और आज भी दिल के अंदर तक दुख देता है, लेकिन मैं समझता हूं कि अब समय आ गया है। मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया है। सिर्फ उन पिछले कुछ सालों में नहीं, जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी।'

मैंने इस जर्सी के लिए हमेशा संघर्ष किया। मैदान पर अपना सब कुछ छोड़ा, ताकि आपको खुशी दे सकूं। फुटबॉल के जरिए आपको अर्जेंटीनियन होने पर गर्व महसूस करा सकूं।

समय कम बचा है और अध्याय खत्म होते हैं। यह भी ऐसा ही एक अध्याय है, जो मुझे बहुत दुख देता है। मुझे राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा।

मैंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। इसके अलावा, कई बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, जो यहां होने के हकदार हैं।

पिता के निधन के बाद कहा था- ज्यादा नहीं खेल पाऊंगा

मेसी ने अपने पिता की मौत के बाद एक पोस्ट में लिखा था कि उन्हें इस बात को लेकर 'काफी संदेह' था कि वे ज्यादा समय तक अर्जेंटीना के लिए खेल पाएंगे या नहीं।

उन्होंने स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में अपने प्रदर्शन को लेकर भी लिखा था, 'मेरे पैर अब आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। इस बार मैंने अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने की कोशिश की, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका।'

फैंस और साथियों को शुक्रिया कहा

मेसी ने अर्जेंटीना के फैंस को पिछले 20 साल के प्यार के लिए शुक्रिया कहा। उन्होंने लिखा, 'मुझे मैदान से आपकी आवाज सुनना बहुत याद आएगा। अब मैं आप ही में से एक रहूंगा और बाहर से टीम का समर्थन करूंगा, अच्छे समय में भी और बुरे समय में भी, खासकर बुरे समय में।'

मेसी ने अपने परिवार को साथ देने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह सफर बहुत खूबसूरत और मुश्किल रहा। मेसी ने हर कोच, साथी खिलाड़ी और अधिकारी को भी धन्यवाद दिया, जिनके साथ उन्होंने यह सफर तय किया। उन्होंने लिखा कि वे अपने साथ कभी न भूलने वाली यादें और पल लेकर जा रहे हैं।

मेसी ने कहा, 'मैं इस शांति और गर्व के साथ जा रहा हूं कि मैंने अपने साथियों के साथ मिलकर आपको वे पल दिए, जिनका हमने कभी सिर्फ सपना देखा था। आप सभी के साथ यह अनुभव जीना शानदार रहा। मैं आपसे प्यार करता हूं।' उन्होंने अंत में लिखा, 'मुझे अर्जेंटीनियन बनाने के लिए धन्यवाद, भगवान! लेट्स गो, अर्जेंटीना!'

अर्जेंटीना को 2022 में फुटबॉल वर्ल्ड कप जिताया

मेसी अपने देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2005 में अर्जेंटीना के लिए डेब्यू किया था। वे टीम के लिए 6 वर्ल्ड कप खेले चुके हैं। मेसी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप जिताया। अर्जेंटीना तीसरा वर्ल्ड कप जीता था और 36 साल का सूखा खत्म किया। मेसी ने 2021 कोपा अमेरिका जीतकर अर्जेंटीना का 28 साल का ट्रॉफी सूखा भी खत्म किया था।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 100 अंकों की गिरावट: 76,800 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 50 अंक नीचे; फार्मा और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 1 सितंबर को शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक टूटकर करीब 76,800 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में भी लगभग 50 अंकों की कमजोरी दर्ज की गई और यह 24,000 के आसपास पहुंच गया। बाजार में फार्मा और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में ज्यादा बिकवाली देखने को मिली, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा।

एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई दिया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.60 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.39 प्रतिशत और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। इससे वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल बना रहा।

इससे पहले 31 अगस्त को अमेरिकी शेयर बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स में 374 अंकों यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट रही। नैस्डैक 0.12 प्रतिशत और एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.33 प्रतिशत कमजोर होकर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों की इस कमजोरी का असर घरेलू निवेशकों की धारणा पर भी देखने को मिला।

घरेलू संस्थागत निवेशक यानी **DII** लगातार बाजार में खरीदारी कर रहे हैं। पिछले सात दिनों में **DII** ने 21,175 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों यानी **FII/FPI** ने इसी अवधि में 12,821 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। पिछले 30 दिनों में भी घरेलू निवेशकों की खरीदारी मजबूत रही है।

PM मोदी की अपील से सोने की कीमत में गिरावट: आज 1,037 गिरकर 1.55 लाख का 10 ग्राम हुआ, चांदी भी 1,711 सस्ती हुई

तारीख	सोना	चांदी
31 दिसंबर 2025	₹1,33,195	₹2,30,420
31 जनवरी 2026	₹1,65,795	₹3,39,350
28 फरवरी 2026	₹1,50,997	₹2,66,700
31 मार्च 2026	₹1,46,733	₹2,30,135
30 अप्रैल 2026	₹1,50,263	₹2,40,331
31 मई 2026	₹1,56,463	₹2,63,350
30 जून 2026	₹1,41,286	₹2,25,425
31 जुलाई 2026	₹1,42,860	₹2,18,295
31 अगस्त 2026	₹1,55,835	₹2,37,199
1 सितंबर 2026	₹1,54,798	₹2,35,488

नोट:- सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत किलो में। सोर्स:- IBJA

PM नरेंद्र मोदी के लोगों से गैर-जरूरी सोना न खरीदने की अपील के बाद सोने-चांदी के दाम में आज यानी 1 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,037 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1711 रुपए गिरकर 2.35 लाख रुपए पर आ गई है।

मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार **PM** नरेंद्र मोदी की अपील के चलते आने वाले दिनों में भी सोने की कीमत पर दबाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत में तेजी के कारण भी सोने और चांदी में गिरावट आई है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप पर हमला किया है। ईरान ने भी जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया।

ऑलटाइम हाई से 1.53 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 21 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.53 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

कोहली के शरीर पर 12वां टैटू:बाएं हाथ पर 5 सेशन के बाद भी काम अधूरा; इसका पैटर्न बूंद गिरने से बनने वाली लहरों जैसा

विराट कोहली बाएं हाथ पर नया टैटू बनवा रहे हैं। यह उनके शरीर का टोटल 12वां टैटू है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली वनडे सीरीज से पहले उन्होंने अपने टैटू कलेक्शन में यह नया डिजाइन जोड़ा है। इसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

टैटू बाएं बाइसेप के पास बना है और पुराने डिजाइन से जुड़ता नजर आ रहा है। इसका पैटर्न पानी की सतह पर बूंद गिरने के बाद बनने वाली लहरों जैसा है।

मुंबई में टैटू आर्टिस्ट एलन गोइस के मुताबिक, इसे बनाने के लिए अब तक 5 सेशन हो चुके हैं, लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है। आर्टिस्ट ने कोहली और अन्य टैटू आर्टिस्ट्स के साथ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

विराट के शरीर पर माता-पिता के नाम का भी टैटू

कोहली लंबे समय से टैटू को अपने व्यक्तित्व और जीवन के अलग-अलग पहलुओं से जोड़ते रहे हैं। उनके शरीर पर माता-पिता सरोज और प्रेम के नाम के टैटू हैं। इसके अलावा भगवान शिव और ओम से जुड़े डिजाइन भी उनके कलेक्शन का हिस्सा हैं। इस साल की शुरुआत में भी कोहली ने अपने हाथ पर बड़ा लोटस-इंस्पायर्ड डिजाइन दिखाया था।

कोहली पहले से मौजूद टैटू को हटाने या पूरी तरह ढकने के बजाय उन्हें एक नए डिजाइन में जोड़ने पर काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत ढुक्क2026 से पहले सामने आई थी। उनका मकसद पुराने डिजाइन को रीस्टोर और रीफाइन करके एक यूनिफाइड स्लीव तैयार करना है, जो उनके मौजूदा जीवन और सफर को दर्शाए।

इस बदलाव में उनके शिव-इंस्पायर्ड आर्मबैंड को दोबारा डिजाइन किया गया है। इसके बाद डॉटवर्क मंडला को इसमें जोड़ा गया, जो अलग-अलग डिजाइन को आपस में जोड़ने वाले प्रमुख हिस्से के तौर पर काम करता है।

ऊपरी हिस्से में लोटस और पीओनी जैसे डिजाइन भी शामिल किए गए हैं। इन प्रतीकों को आम तौर पर दृढ़ता और व्यक्तिगत विकास से जोड़ा जाता है।

टैटू पूरा होने के बाद कोहली के शरीर पर कुल 12 टैटू हो जाएंगे। नए टैटू से पहले कोहली के शरीर पर 11 टैटू बताए गए हैं। इनमें जापानी समुराई, गॉड्स आई, भगवान शिव, मोनेस्ट्री, वनडे डेब्यू नंबर 175, टेस्ट डेब्यू नंबर 269, मां सरोज का नाम, पिता प्रेम का नाम, स्कॉर्पियो, ट्राइबल आर्ट और ओम शामिल हैं।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर:जिम्बाब्वे-साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए नहीं चुने गए

ऑस्ट्रेलिया ने अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी के तहत जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे।

लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि हालिया प्रदर्शन में गिरावट के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें इस दौरे से बाहर कर दिया। पिछले 18 वनडे पारियों में उनका औसत 21.87 रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

चयन प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

वैभव सूर्यवंशी ने 81 गेंदों पर 92 रन बनाए: दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया; 7 छक्के-7 चौके लगाए

वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के लिए 81 गेंदों पर 92 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 छक्के और 7 चौके लगाए। इसके साथ ही वैभव दलीप ट्रॉफी के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच यह सेमीफाइनल बेंगलुरु में खेला गया। सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए थे। जवाब में ईस्ट जोन ने भी 266 रन बनाए।

42 गेंदों पर फिफ्टी लगाई

वैभव ने 42 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू करने वाले सारांश जैन की गेंद पर छक्का लगाकर फिफ्टी पूरी की। अर्धशतक तक पहुंचने के दौरान उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए थे।

इसके बाद भी उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और शतक से सिर्फ 8 रन दूर रह गए। हर्ष दुबे ने उन्हें आउट किया।

57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव ने यह रिकॉर्ड 15 साल 175 दिन की उम्र में बनाया। उन्होंने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। लक्ष्मण ने 1969 में 16 साल 23 दिन की उम्र में दलीप ट्रॉफी में फिफ्टी लगाई थी।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में फिफ्टी लगाने वालों में वैभव के बाद लक्ष्मण सिंह और पीयूष चावला का नाम है। चावला ने 2005 में 16 साल 307 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी : स ओपन में सफीउलिन को सीधे सेटों में हराया; सबालेंका भी दूसरे दौर में

US ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर रहे स्पेन के अल्काराज ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

वहीं, महिला सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराकर अपने लगातार तीसरे यूएस ओपन खिताब की उम्मीद बरकरार रखी।

अल्काराज चोट की वजह से फ्रेंच ओपन और विंबलडन नहीं खेल पाए थे

अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेशन स्लीव पहनकर खेले।

अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है।

कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सिनर-जोकोविच के बाहर होने से राह आसान

अल्काराज के लिए इस बार फाइनल तक पहुंचने की राह पहले के मुकाबले आसान हो गई है। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर घुटने की समस्या के कारण टूर्नामेंट में नहीं हैं, जबकि 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच पहले ही दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोने से हारकर बाहर हो चुके हैं।

अल्काराज अब दूसरे दौर में पुर्तगाल के 72वीं रैंकिंग वाले जैमे फारिया से खेलेंगे। वह 2004 से 2008 तक लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद स ओपन पुरुष सिंगल्स खिताब का बचाव करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा स ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन स ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं।

पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4-4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्सेंको से होगा।

नक्सलवाद के अंधेरे से निकलकर विकास की नई इबारत लिख रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा विकसित छत्तीसगढ़

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि दशकों तक नक्सलवाद की चुनौती का सामना करने वाला छत्तीसगढ़ आज शांति, विश्वास और विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। नक्सलवाद के अंधेरे से बाहर निकलकर प्रदेश अब विकास की नई इबारत लिख रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधोसंरचना, पर्यटन और आजीविका सहित सर्वांगीण विकास के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने लगे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश के सामने रखा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ ने भी विकसित राज्य बनने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। प्रदेश के विजन डॉक्यूमेंट के अंतर्गत 10 प्रमुख मिशन निर्धारित किए गए हैं और उन्हें धरातल पर उतारने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संभावनाओं से भरपूर राज्य है। प्रदेश का लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है और यहां लोहा, बॉक्साइट, लिथियम, सोना सहित अनेक महत्वपूर्ण खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ देश का एकमात्र टिन उत्पादक राज्य भी है। प्राकृतिक संसाधनों की इस समृद्धि के साथ प्रदेश की मेहनतकश मानव शक्ति हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इन क्षमताओं का समुचित उपयोग कर छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश के विकास में और बड़ी भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद प्रदेश, विशेषकर बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधा बना रहा। वर्ष 2023 में राज्य में सरकार बनने के बाद जनवरी 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की स्थिति की समीक्षा की। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार ने समन्वय के साथ नई रणनीति पर काम शुरू किया। पड़ोसी राज्यों के साथ बेहतर तालमेल और सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई ने नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक गति दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से सशस्त्र नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक सफलता मिली है। नई रणनीति की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि सुरक्षा बलों ने पूरी मजबूती से अभियान चलाते हुए पहले की तुलना में अपने जवानों की क्षति को कम रखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर की जनता ने लगभग चार दशकों तक नक्सल हिंसा का दंश झेला है। नक्सली स्कूल, अस्पताल, सड़क, पुल-पुलिया और संचार सुविधाओं जैसे विकास कार्यों का विरोध करते थे, जिसके कारण अनेक दूरस्थ क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से कटे रहे। इसलिए सरकार ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार शुरू से स्पष्ट थी कि केवल नक्सल समस्या को समाप्त करना पर्याप्त नहीं होगा। स्थायी शांति के लिए बस्तर के प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक विकास का लाभ पहुंचाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ 'नियद नेल्लानार' योजना शुरू की गई। गोंडी भाषा में इसका अर्थ है - 'आपका अच्छा गांव'।

उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से दूरस्थ और संवेदनशील गांवों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और दूरसंचार जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। क्षेत्र में 421 से अधिक स्कूल खोले गए हैं और दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। विकास को और गति देने के लिए सरकार ने 'नियद नेल्लानार 2.0' भी प्रारंभ किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को देश का सबसे सुंदर आदिवासी संभाग बनाने का संकल्प व्यक्त किया है और राज्य सरकार इसी लक्ष्य के अनुरूप बस्तर के समग्र विकास पर काम कर रही है।

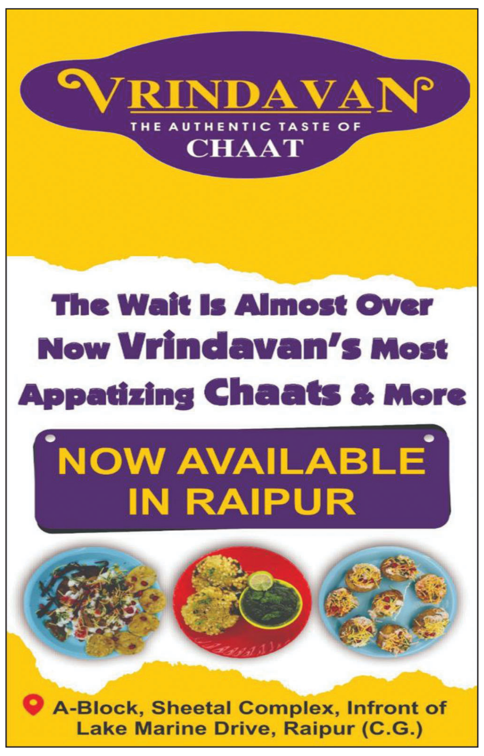

नेशनल चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई; सुनिष्का की सफलता से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ा

रायपुर की सुनिष्का ने निशानेबाजी में रचा नया कीर्तिमान, तीन कांस्य पदकों पर साधा निशाना

ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

रायपुर। लक्ष्य पर एकाग्र दृष्टि, हाथों में आत्मविश्वास और निशाने पर अचूक पकड़—इन्हीं खूबियों के दम पर रायपुर की युवा निशानेबाज सुनिष्का कुमार ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल में आयोजित 10वीं ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। 25 से 30 अगस्त तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सुनिष्का ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने आगामी नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उनकी सफलता ने न केवल रायपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। सुनिष्का की यह उपलब्धि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह मुकाम भिलाई के अनुभवी शूटिंग कोच नीरज निखिल साइमन के

प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में हासिल किया। कोच साइमन के निर्देशन में छत्तीसगढ़ के निशानेबाजों ने अब तक स्टेट, प्री-नेशनल, नेशनल और ्यस्स् स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में 36 से अधिक पदक अर्जित किए हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षित एक खिलाड़ी ने इस वर्ष जर्मनी के सुहल में आयोजित विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर प्रदेश की खेल प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुंचाया है।

सुनिष्का के लिए यह सफलता अचानक मिली उपलब्धि नहीं है। जुलाई में आयोजित स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में भी उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल कर जोनल प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया था। इसके बाद ईस्ट जोन चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा पर एक और मुहर लगा दी।

वर्तमान में सुनिष्का नया रायपुर स्थित ड्ढड्ढड्ढ कॉलेज में इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा हैं और रायपुर के क्र्यष्ट क्षेत्र में निवासरत हैं। उनके पिता श्री राकेश कुमार हैं, जबकि उनकी माता क्र्यष्ट में शिक्षिका के रूप में सेवाएं दे रही हैं। पढ़ाई के साथ निशानेबाजी को साधना उनके अनुशासन और संतुलित व्यक्तित्व का परिचायक है।

खेल प्रतिभाओं को चाहिए बेहतर सुविधाओं का संबल

सुनिष्का की उपलब्धि ने प्रदेश में निशानेबाजी के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं को भी रेखांकित किया है। खेल से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास के लिए बेहतर शूटिंग रेंज, आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा अभ्यास के लिए रेंज के उपयोग की अनुमति सहज रूप से मिले, तो छत्तीसगढ़ के अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

सुनिष्का की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणादायी संदेश है, जो अपने लक्ष्य को लेकर दृढ़ हैं। उनकी अचूक निशानेबाजी ने यह साबित किया है कि जब साधना में संकल्प और लक्ष्य में स्पष्टता हो, तो सफलता स्वयं इतिहास के पन्नों में अपना स्थान बना लेती है।

दर्री जोन में 07 नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का हुआ लोकार्पण

रायपुर। नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन अंतर्गत 07 नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का लोकार्पण आज एक ही दिन पृथक-पृथक वार्डों में किया गया। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान इन सभी सामुदायिक भवनों को जनता की सेवा में समर्पित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि जनताजनार्दन को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी विकास संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करना मेरा प्रथम लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को सामने रखकर निगम क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन से विगत ढाई वर्षों के दौरान निगम क्षेत्र में 1100 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें से कई पूर्ण हो चुके हैं, कुछ प्रगति पर हैं और शेष निविदा प्रक्रिया में हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684